साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 23 जून से 29 जून 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 16 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 03 में...
शाह का मार्गदर्शन साय का विज़न

पेज 11 में...
मां परमेश्वरी को श्रद्धांजलि

पेज 06 ईरान-इजराइल वॉर में अमेरिका की एंट्री

पोस्टिंग सिस्टम कोलैप्स...

- संगम के पवित्र जल से स्नान के बाद भी नहीं सुधरा सिस्टम
- जूनियरों को केन्द्रीय जेल तो सीनियर को जिला जेलों में तैनाती
- रायपुर और दुर्ग जेलों में तबादला नीति को मुंह चिढ़ा रहा स्टाफ
- 5 केंद्रीय जेल 18 जिला जेल और 10 उपजेल में वर्षों से जमे हैं स्टाफ
- रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर की जेलों में स्टाफ की रिशफ़्लिंग जरुरी

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

दिया तले अंधेरा वाली स्थिति छत्तीसगढ़ जेल विभाग की है। छत्तीसगढ़ की 33 जेलों के कैदियों को संगम के पवित्र जल से स्नान करवाने, उन्हें संघ की पत्रिका पांचजन्य पढ़ाने और पूजा-पाठ कराने के लिए छत्तीसगढ़ शासन और जेल विभाग भयंकर प्रयास कर रहा है। जेल मंत्री और आला अफसर जेल नीति को धत्ता बताकर लंबे समय से रैकेट चला रहे प्रहरियों से लेकर जेलर और जेल अधीक्षकों का ट्रांसफर सिस्टम सुधारने कोई पवित्र प्रयास नहीं कर रहे। नतीजतन बस्तर की जेलों में 8 सालों से अज्ञातवास में भेज दिए गए वरिष्ठों को भूलकर दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर जैसी बड़ी जेल का जिम्मा कनिष्ठ अधिकारीयों को नहीं सौंपते। प्रदेश की 5 केंद्रीय जेल 18 जिला जेल और 10 उपजेल में जेल नीति और तबादला नीति बेआबरू हो रही है और जेल के सिस्टम को लम्बे समय से जमे अफसर-कर्मी हाइजेक किये बैठे हैं।

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश की 5 केंद्रीय जेल 18 जिला जेल और 10 उपजेल में जेल नीति और तबादला नीति दम तोड़ने लगी है। चेहतों, जूनियरों और जेल में लंबे समय से अंदर से लेकर बाहर तक के सिस्टम को हैक किये बैठे लोगों पर जेल मंत्रालय का करम है और महकमे के अफसरों की रहमत। सर्वाधिक संवेदनशील रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और बस्तर की जेलों में नियुक्ति, पदस्थापना और तैनाती कटघरे में है। उदहारण स्वरुप बस्तर दंतेवाड़ा की जेल में बाईट 8 साल से वरिष्ठ को जिम्मा दिया गया है। इसके उलट दुर्ग जेल को जूनियर के भरोसे सौंप दिया गया है। नियमतयः नए अधिकारीयों को पहले उपजेल, फिर जिला जेल और तब बड़ी जेल का प्रभार सौंपना चाहिए। लेकिन नयों की पहुंच, संपन्नता और ऊंचे रसूख के चलते उनका अनुभव वरिष्ठों के लिए अभिशाप बन गया है। महकमें में चर्चा आम है कि बहुत से अधिकारी पैसा देकर अपना ट्रांसफर रुकवा लेते हैं फिर बड़ी जेलों में मौज उड़ाते हैं।

1 टंकेश्वर साहू
2001 से रायपुर आने के बाद कहीं और जगह ट्रांसफर नहीं हुआ

2 राजेश वर्मा
2003 से रायपुर में है इसकी 1996 में जेल में भर्ती हुई थी पहली पोस्टिंग जगदलपुर में थी जगदलपुर से 2003 में रायपुर आया उसका दोबारा कहीं भी ट्रांसफर नहीं हुआ 2012 में एक बार ट्रांसफर अटैच कबीरधाम हुआ था। 1 सप्ताह के बाद रायपुर वापस आ गया एक पेअर से विकलांगता आधार बना है। तबादले की बात आती है तो खुद को अनफिट बोलकर उपचार का बहाना काम कर गया है। मंत्री बंगले से फोन के बल पर पिछले 9 साल से जेल के मुंगोड़ी सेंटर में बैठकर कमा रहा है। जेल अफसर भी बेहिसाब कमाई से खुश हैं। रायपुर में 22 साल हो गया है।

3 विक्रम भोई
इसको रायपुर में 17 साल हो गया है ये बलौदा बाजार से ट्रांसफर होकर रायपुर आया था उसके बाद वापस नहीं गया रायपुर से बाहर इसकी ड्युटी जब से रायपुर आया है ऑफिस में अपने को सेट करा लिया है और ड्यूटी लगाने के नाम से पूरा पैसा वसूला जा रहा है।

4 नकुल राम
जब से नौकरी लगी है तब से रायपुर में है रायपुर के अलावा कहीं भी ट्रांसफर नहीं हुआ। इसकी ड्यूटी चीफ हवलदार के ऑफिस में है जहां से सभी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है कर्मचारियों से पैसा लेकर मन चाह जगह में ड्यूटी लगवाते है जिसमें नये भरती वाले लड़कों को मनमानी का मौका मिलता है।

4 नरेंद्र गिरी गोस्वामी
जेल विभाग में भर्ती से आज तक कहीं भी ट्रांसफर नहीं हुआ है। जेल विभाग में प्रहरी में भर्ती हुआ था और आज तक जेल के अंदर ड्यूटी नहीं किया। जेल विभाग की बिजली का काम पकड़ लिया है। जेल में बंद बड़े लोगो का कुरियर बॉय कहते हैं। अभी रायपुर जेल में आबकारी, डीएमएफ ,CGMSC और अधिकारी समेत बड़े बड़े व्यापारी हैं।

"समय समय पर प्रदेश की जेलों और तैनात अफसर-कर्मियों का नियमतः तबादला होता है। मैं जानकारी मंगवाता हूं जो भी तबादला नीति के विपरीत पदस्थ होगा तो उसे बदला जायेगा।
विजय शर्मा, मंत्री गृह एवं जेल छत्तीसगढ़ शासन

6 अखिलेश पटेल

ये अर्चक पद पर रायपुर जेल से भारती हुआ था आज तक ये रायपुर जेल में ही है। रायपुर जेल के अलावा कहीं दूसरी जेल ट्रांसफर नहीं हुआ है, पहले जेल ड्यूटी करता था। जब सुब्रत साहू एसीएस थे तब से है आज भी उन्हीं के कार्यालय में अपना काम करता है जबकी रायपुर जेल में स्टाफ की कमी से जूझ रहा है। जेल विभाग में 1996 से है 29 साल हो गए रायपुर जेल में 1 साल में 1 स्कॉर्पियो और 1 वरना कार है।

7 तुलाराम वर्मा

इसको रायपुर जेल में 14 साल हो गया है। बलौदा बाजार से रायपुर आया। पिछले 11 साल से जेल कर्मचारियों की कैंटीन इन्हीं के जिम्मे है। अफसर और विभाग खुश है शायद इसलिए ट्रांसफर कहीं और नहीं हुआ है।

8 गुरु दत

ये सिपाही 2014 में बलौदा बाजार से रायपुर आया था। तभी से इसका ट्रांसफर नहीं हुआ। जेल विभाग के मझोले से लेकर जेल डीआईजी कार्यालय के अफसरों के अनुग्रह से यहीं जमा है। इसकी ड्युटी आज तक रात में नहीं लगी है। सुबह की दोपहर की ड्यूटी में बरकत बहुत हैं इसलिए इन्हें करना पसंद हैं।

9 जी एस शोरी

जेल अधीक्षक दंतेवाड़ा में पिछले 9 वर्ष से कार्यारत है जबकी वहा सब से वरिष्ठ जेल अधिकारी है इनको बड़े जेल का प्रबंधन करने का बड़ा अनुभव है जबकी कल के भर्ती हुए लोग बड़े जेलो में बैठे हैं। नक्सली बेल्ट में कोई अनुभव नहीं है और जाना भी नहीं चाहता पैसा देकर अपना ट्रांसफर रुकवा लेते हैं। जैसे आर आर राय जो अभी दुर्ग जेल के जेल अधीक्षक हैं और शोरी से जूनियर हैं। बावजूद इसके भी सेंट्रल जेल के अधीक्षक हैं और सीनियर है वो जिला जेल संभाल रहा है।

10 उत्तम पटेल

जेल अधीक्षक राजनांदगांव में पदस्थ हैं। महज 4 साल मे तीन जेल तबादला हो चुका है। पहले महासमुंद, फिर रायपुर, बिलासपुर वर्तमान में राजनांदगांव।

छत्तीसगढ़ जेल प्रशासन ने कोविड-19 के दौरान भीड़ कम करने के लिए सैकड़ो कैदियों को अच्छे आचरण के आधार पर पैरोल पर जमानत दी थी। लेकिन महामारी का दौर बीत जाने के बाद भी कई बंदी वापस नहीं लौटे हैं।

5 केंद्रीय जेलों से 83 कैदी नहीं लौटे

डीजी जेल की ओर से हाईकोर्ट में दी गई रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ की पांच केंद्रीय जेलों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर और जगदलपुर से कुल 83 बंदी पैरोल पर गए हुए थे, जो समय सीमा समाप्त होने के बाद वापस नहीं लौटे। इनमें से 10 को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि 3 की मृत्यु हो चुकी है, अब भी लगभग 70 बंदी फरार हैं।

बिलासपुर में 22 और रायपुर में 7 बंदी हैं, लापता

बिलासपुर सेंट्रल जेल से पैरोल पर छोड़े गए 22 बंदी और रायपुर जेल से 7 बंदी अब तक जेल नहीं लौटे हैं। उनके परिवारजनों को बार-बार सूचित किए जाने के बाद भी उनकी वापसी नहीं हो सकी है। इसके बाद जेल प्रबंधन ने संबंधित पुलिस थानों में FIR दर्ज कराई और फरार बंदियों की जानकारी साझा की है।

दशकों से फरार है पैरोल पर छूटे बंदी

रिपोर्ट में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि, एक बंदी दिसंबर 2002 से ही लापता है, यानी वह बीते दो दशकों से फरार है। जेल प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कोशिशों के बावजूद अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है।

ज्यादातर कैदी गंभीर अपराधों में थे बंद

ल प्रशासन के अनुसार, फरार बंदियों में अधिकांश बंदी हत्या और गंभीर आपराधिक मामलों में सजा काट रहे थे। यही वजह है कि उनकी वापसी न केवल जेल प्रशासन, बल्कि कानून-व्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय बन गई है।

जमानत पर गए बंदियों की संख्या भी स्पष्ट नहीं

राज्य में केंद्रीय जेलों के अतिरिक्त 12 जिला और 16 उप जेलें भी हैं। इन जेलों से भी कई बंदियों को कोरोना काल में अंतरिम जमानत पर छोड़ा गया था। लेकिन जेल विभाग के पास इनकी सटीक संख्या और स्थिति की जानकारी उपलब्ध नहीं है। जानकारों का कहना है कि, ऐसे अधिकांश बंदियों ने कोर्ट से स्थायी जमानत ले ली है। जिससे उनकी स्थिति अब "फरार" की श्रेणी में नहीं आती, लेकिन रिकॉर्ड की पारदर्शिता अभी भी सवालों के घेरे में है।

महिला जेलों में भी बदलाव की दरकार

डीएमएफ से लेकर अन्य आर्थिक अपराध के आरोप में जब महिला अधिकारी रायपुर महिला जेल में थी तो सभी की निगाह में यहां का अफसर-कर्मी स्टाफ चर्चा में है। दिग्गज महिला अधिकारीयों की वजह से यहां भी तैनाती, पदस्थापना और तबादले के लिए भरी जोड़-तोड़ शुरू हो गई थी। पहले ही जेल में विशेष सुविधाओं के नाम पर ख़बरें सुर्खियां बनती रही हैं। जेल में थोड़ा जुगाड़ हो तो भला चंगा भी जेल अस्पताल की हेल्थी डाइट का और आरामदायक बिस्तर का मजा लेता है। अनचाहे सामानों का अंदर-बाहर करना और मोबाईल में घर वालों से संपर्क के किस्से भी चर्चित हैं। यह सब विशेष सुविधा उन्हीं के लिए है जो खर्च करने लायक हैं। अकेले रायपुर सेंट्रल जेल में राशन 80 लाख का आता है। जेल की बाड़ी में होने वाली की सब्जी और दूध भी साहब लोग चखते हैं।

शाह का मार्गदर्शन, साय का विज़न

अमित शाह ने 2026 तक भारत को नक्सलमुक्त करने का संकल्प दोहराया

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में स्पष्ट और दृढ़ लहजे में कहा कि देश को 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा। यह घोषणा केवल संकल्प नहीं, बल्कि अब तक के सुरक्षा अभियानों और आंकड़ों के दम पर कही गई ठोस रणनीति का हिस्सा है। शाह ने छत्तीसगढ़ में नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU) और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (CFSL) का शिलान्यास करते हुए कहा कि आज का दिन राज्य की सुरक्षा, न्याय व्यवस्था और नक्सलविरोधी अभियान—तीनों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

नक्सलवाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ में चल रहा है निर्णायक अभियान

अमित शाह ने बताया कि भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार बनने के बाद राज्य में नक्सल विरोधी ऑपरेशनों को नई दिशा और गति मिली है। सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा है, अभियान में स्पष्टता और निरंतरता आई है, और यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के जंगलों में दशकों से छिपे नक्सल ठिकानों पर अब एक के बाद एक करारा प्रहार हो रहे हैं। अब तक 427 से अधिक नक्सली मारे जा चुके हैं, जिनमें कई वांछित और हार्डकोर कमांडर शामिल हैं। कई नक्सली सरेंडर कर चुके हैं और कई संगठनात्मक ढांचे ध्वस्त हो चुके हैं।

2026 की डेडलाइन: सिर्फ बयान नहीं, जमीनी हकीकत

शाह ने कहा कि बीजापुर के कर्रेगुट्टा जैसे दुर्गम इलाकों में लंबे समय तक चले अभियानों में बड़ी सफलता मिली है। सिर्फ पिछले एक साल में छत्तीसगढ़ में दर्जनों बड़े ऑपरेशन हुए, जिसमें सैकड़ों नक्सली मारे गए या गिरफ्तार हुए। यह सब इस बात का प्रमाण है कि सरकार का लक्ष्य केवल घोषणा नहीं, बल्कि कार्रवाई के धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है।

फोरेंसिक विज्ञान और टेक्नोलॉजी से बदल रहा है नक्सल ऑपरेशन का चेहरा

NFSU की स्थापना से अपराध जांच प्रणाली को नई दिशा मिलेगी। इससे फील्ड ऑपरेशनों में टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट, साइबर इन्वेस्टिगेशन और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण जैसी क्षमताएं जुड़ेंगी जो खासकर नक्सल नेटवर्क को तोड़ने में अहम साबित होंगी। शाह ने स्पष्ट किया कि अब अपराधियों की पहचान, नेटवर्क की ट्रैकिंग और साजिशों का तकनीकी विश्लेषण तेजी से हो सकेगा—जो विशेषकर जंगलों में छिपे नक्सलियों की साइबर गतिविधियों और रिक्रूटमेंट पर नकेल कसने के लिए बेहद जरूरी है।

सरेंडर पॉलिसी और विकास का दोहरा प्रहार

राज्य सरकार की नई सरेंडर पॉलिसी के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास और रोजगार दिया जा रहा है, जिससे अंदरूनी नक्सली ढांचे में भरोसे और नेतृत्व का संकट पैदा हो रहा है। साथ ही, सरकार ने नक्सल क्षेत्रों में सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी योजनाओं को तेज़ किया है, जिससे वहां की जनता नक्सलियों से दूरी बना रही है।

भाषण की 5 बड़ी बातें

1. नक्सलियों को खुली चेतावनी

अमित शाह ने नक्सलियों को दो टूक संदेश दिया कि अब किसी भी मौसम में राहत नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहले नक्सली मानसून के दौरान सुस्त हो जाते थे, लेकिन अब ऐसी रियायत नहीं दी जाएगी। "बारिश के समय नक्सली थोड़ा आराम कर लेते थे, लेकिन अब बारिश में भी एंटी नक्सल ऑपरेशन चलता रहेगा।" यह बयान बताता है कि ऑपरेशन अब लगातार और अचूक तरीके से चलेगा, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों।

2. नक्सलमुक्त भारत की डेडलाइन दोहराई

शाह ने फिर दोहराया कि सरकार का लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध है – "31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा।" उन्होंने छत्तीसगढ़ की सरेंडर पॉलिसी को सराहा और नक्सलियों से हथियार डालने की अपील की। उनका कहना था कि अब वापस लौटने का यही समय है, क्योंकि सरकार अब पीछे नहीं हटेगी।

3. युवाओं के लिए स्टार्टअप और इंडस्ट्री का विज़न

छत्तीसगढ़ के युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप और उद्योगों की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। "युवाओं को उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ानी चाहिए। रायपुर में आई-हब की शुरुआत इसी सोच का हिस्सा है।" यह पहल न केवल रोजगार सृजन को गति देगी, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को मुख्यधारा में लाने का एक माध्यम भी बनेगी।

4. रोजगार की गारंटी के साथ NFSU की सौगात

शाह ने NFSU के शिलान्यास के अवसर पर युवाओं को सीधा संदेश दिया कि यहां से पढ़ाई का मतलब है - "सीधी नौकरी की गारंटी।" उन्होंने कहा कि फोरेंसिक, साइबर सिक्योरिटी, मनोविज्ञान और पुलिस विज्ञान जैसे कोर्स युवाओं को सुरक्षा और न्याय प्रणाली में अहम स्थान दिलाएंगे। यह संस्थान सिर्फ शिक्षा नहीं, रोजगार और विशेषज्ञता का केंद्र बनेगा।

5. नवा रायपुर की भूरि-भूरि प्रशंसा

गृहमंत्री ने नवा रायपुर की आधुनिकता, हरियाली और योजनाबद्ध विकास की जमकर सराहना की। "आने वाले दिनों में नवा रायपुर सबसे सुंदर और हरियाली वाली राजधानी के रूप में देशभर में जाना जाएगा।" यह बयान बताता है कि छत्तीसगढ़ अब सिर्फ नक्सलवाद से लड़ने वाला राज्य नहीं, बल्कि विकास और स्मार्ट गवर्नेंस का मॉडल बनने की ओर बढ़ रहा है।

पड़ोसी राज्यों के DGP-ADGP रैंक के अधिकारियों से मीटिंग

अमित शाह ने रायपुर में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के DGP और ADGP स्तर के अधिकारियों से चर्चा की। इस बैठक में अंतरराज्यीय नक्सली मूवमेंट, इंटेलिजेंस साझाकरण, आधुनिक हथियारों की आपूर्ति रोकने, और तकनीकी निगरानी को लेकर रणनीतियां तय की गईं। अमित शाह ने अंतरराज्यीय सुरक्षा और नक्सल ऑपरेशन की स्थिति की समीक्षा की। सुरक्षा संबंधी दो अहम बैठकों में शाह ने दूसरे राज्यों को इंटेलिजेंस इनपुट छत्तीसगढ़ के साथ शेयर करने के निर्देश दिए हैं।

जहां कभी स्कूल नहीं थे, वहां अब गांव के पहले डॉक्टर बन रहे हैं रत्ना और संतोष

नक्सल मुक्त होता बस्तर: अब बंदूक नहीं, बच्चों के हाथों में किताबें हैं

दंतेवाड़ा/बस्तर। कभी जिन गांवों में स्कूल की घंटी नहीं बजती थी, वहां अब स्टेथोस्कोप की आवाज गूंजने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा ज़िले के गांवों से निकले दो होनहार — रत्ना मरकाम और संतोष पोडियम, अब मेडिकल कॉलेज में दाख़िला लेकर डॉक्टर बनने जा रहे हैं। यह सिर्फ दो बच्चों की सफलता नहीं, बस्तर की बदलती तस्वीर की गवाही है।

मजदूर की बेटी अब डॉक्टर बनेगी

धुरली गांव की रत्ना मरकाम के माता-पिता मजदूरी करते हैं। बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की जिद रत्ना में बचपन से थी। उन्होंने 'छू लो आसमान' नाम की आवासीय कोचिंग संस्था से पढ़ाई की और NEET 2025 में 334 अंक लाकर डॉक्टर बनने की राह खोल दी।

रत्ना कहती हैं: "हमारे गांव में न अस्पताल है, न स्कूल... जब कोई बीमार होता है तो इलाज के लिए शहर तक जाना पड़ता है। मैं यहीं रहकर गांव वालों की सेवा करना चाहती हूं।"

किसान का बेटा, गांव का पहला डॉक्टर

दंतेवाड़ा के अत्यंत नक्सल प्रभावित गांव चिकपाल के रहने वाले संतोष पोडियम के पिता नहीं रहे। मां ने खेतों में मेहनत कर बेटे को पाला। संतोष ने 'छू लो आसमान' संस्था से पढ़ाई कर 336 अंक लाकर नीट पास किया। संतोष कहते हैं: "मैं अपने गांव का पहला डॉक्टर बनूंगा। मैं चाहता हूं कि मेरे जैसे और भी बच्चे सपना देखें और मेहनत करें। हम भी बदल सकते हैं, बस्तर भी बदल सकता है।"

छू लो आसमान: जंगल से उड़ान की शुरुआत

छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर संभाग में 'विकास, विश्वास और सुरक्षा' के सूत्र के साथ शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बनाया है। 'छू लो आसमान' नामक आवासीय कोचिंग प्रोग्राम के तहत नक्सल क्षेत्र के बच्चों को मुफ़्त पढ़ाई, हॉस्टल और भोजन की सुविधा मिलती है। इसी संस्था से 2025 में 128 बच्चों ने NEET परीक्षा दी, जिनमें से 39 ने क्वालिफाई किया और 4 को MBBS सीट मिल रही है। यह पहल सिर्फ परीक्षा पास कराने का जरिया नहीं, बल्कि पूरे बस्तर को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने की नींव है।

अब जंगल से निकल रहे हैं डॉक्टर

धुरली गांव की रत्ना मरकाम, अब बनने जा रही हैं डॉक्टर — अपने गांव की पहली बेटी जो यह मुकाम हासिल कर रही है। चिकपाल के संतोष पोडियम, पिता नहीं रहे, मां किसान हैं — अब गांव का पहला बेटा बनेगा डॉक्टर। मेटापाल के समीर ने 343 अंक पाए — संवेदनशील गुड्डीपारा जैसे इलाके से यह बड़ी छलांग है। बस्तानार के इंद्र कुमार ने 336 अंक हासिल किए — लाला गुड़ा जैसे सीमावर्ती क्षेत्र से सफलता की कहानी।

मिसाल बनते बच्चे, प्रेरणा बनता बस्तर

आज जब शिक्षा को लेकर शहरी भारत चिंतित है, तब बस्तर के इन गांवों से निकलती यह कहानियाँ पूरे देश के लिए मिसाल बन रही हैं। रत्ना और संतोष जैसे छात्र यह साबित कर रहे हैं कि बदलाव सिर्फ नीति से नहीं, बच्चों की मेहनत से आता है। रत्ना कहती हैं: "अगर कोई बच्चा छू लो आसमान जैसी संस्था में पढ़ाई करे, तो उसकी सफलता तय है।"

साप्ताहिक शहर सत्ता

कोरोना की दस्तक, सिस्टम लचर

6 दिन में दूसरी मौत, ऑक्सीजन प्लांट बंद, DKS अस्पताल तैयार नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की वापसी चिंता बढ़ा रही है। 6 दिन में दूसरी मौत हो चुकी है, दोनों ही मामले राजनांदगांव जिले से हैं। इसके बावजूद राजधानी रायपुर के प्रमुख अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट बंद हैं, और स्पेशल कोविड एडवाइजरी तक जारी नहीं की गई है। सरकार ने अभी तक कोई बड़ा अलर्ट नहीं जारी किया है, जबकि आंकड़े और मौतें बता रही हैं कि हालात सामान्य नहीं हैं।

6 दिन में दो मौतें, दोनों मरीज पहले से बीमार

शनिवार देर रात राजनांदगांव के 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। उन्हें पहले से हृदय रोग, सांस की तकलीफ और ब्लड प्रेशर की समस्या थी। इससे पहले 16 जून को 86 साल के बुजुर्ग की कोविड के नए वैरिएंट JN.1 से मौत हुई थी। दोनों मरीज मेडिकल ट्रीटमेंट के दौरान कोरोना पॉजिटिव निकले।

172 केस, 62 एक्टिव मरीज – सबसे ज्यादा रायपुर में

अब तक राज्य में 172 कोविड संक्रमित मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें से 62 केस एक्टिव हैं। रायपुर में सबसे ज्यादा 82 केस, बिलासपुर से 38 केस, शेष 9 जिलों से 52 केस, हर दिन औसतन 6 नए संक्रमित मिल रहे हैं, जिनमें से 3 अकेले रायपुर से हैं। 24 मई को पहला केस सामने आया था और 23 दिन में आंकड़ा 100 के पार पहुंच गया।

रायपुर के अस्पताल तैयार नहीं, ऑक्सीजन प्लांट बंद

कोविड की तीसरी लहर के बाद बनाए गए ऑक्सीजन प्लांट – DKS, अंबेडकर और आयुर्वेदिक कॉलेज में बंद पड़े हैं। DKS में ऑपरेट हो रहा प्लांट अस्पताल की सिर्फ 60% डिमांड ही पूरी कर पा रहा। शेष ऑक्सीजन के लिए अस्पताल को प्राइवेट एजेंसियों से सिलेंडर खरीदने पड़ रहे हैं। हर जंबो सिलेंडर की कीमत 300-400 रुपये तक है और वो 4-5 मिनट ही चल पाता है। DKS के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ने बताया कि उन्हें लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट के लिए अब तक CGMSC से NOC नहीं मिली है।

DKS में टेस्टिंग बंद, स्पेशल एडवाइजरी भी नहीं

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि अब तक कोविड को लेकर कोई विशेष निर्देश नहीं मिले हैं। न ही टेस्टिंग की व्यवस्था शुरू की गई है। मेकाहारा में हल्के लक्षण वाले मरीजों की स्क्रीनिंग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई गंभीर मामला रिपोर्ट नहीं हुआ है।

ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में ठीक

डॉ. आरके पांडा (मेकाहारा) के अनुसार, फिलहाल ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में ठीक हो रहे हैं। लेकिन जिन्हें डायबिटीज, हार्ट या रेस्पिरेटरी बीमारी है, उनके लिए नया वैरिएंट खतरनाक हो सकता है। चेन स्मोकर्स और बुजुर्गों को सतर्क रहना होगा।

स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी और अपील

- किसी को सर्दी, खांसी, बुखार या सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत कोविड जांच कराएं
- कोविड लक्षण दिखने पर IHIP पोर्टल पर रिपोर्टिंग अनिवार्य
- मास्क, सामाजिक दूरी और जांच को लेकर जागरूकता जरूरी
- जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए एम्स रायपुर को सैंपल भेजने की तैयारी

अस्पतालों से मीडिया कवरेज पर लगी पाबंदी हटी

रायपुर। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में मीडिया करवरेज करने पर पाबंदी लगाई गई थी, जिसे अब स्थगित कर दिया गया है। यह आदेश चिकित्सा शिक्षा विभाग के अवर सचिव सोनचंद साहू ने जारी किया है। दरअसल, रायपुर के आंबेडकर अस्पताल में मीडियाकर्मियों से दुर्व्यव्यवहार के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मीडिया के लिए प्रोटोकॉल जारी किया था। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने सभी मेडिकल कॉलेजों के डीन, सभी ज्वाइंट डायरेक्टर हेल्थ और अस्पताल अधीक्षकों को मीडिया प्रबंधन के लिए प्रोटोकॉल के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये थे।

छत्तीसगढ़ में 'किफायती जन आवास नियम 2025' लागू

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के हर परिवार को पक्का और वैध घर दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। 'छत्तीसगढ़ किफायती जन आवास नियम 2025' अब राज्य में लागू होने जा रहा है, जो न केवल निम्न और मध्यम वर्ग के लिए मकान का सपना साकार करेगा, बल्कि अवैध प्लॉटिंग की बढ़ती समस्या पर भी लगाम लगाएगा।

इस नई नीति से क्या बदलेगा?

- अब कृषि भूमि पर भी वैध कॉलोनी बसाना संभव होगा।
- छोटे भूखंडों की प्लॉटिंग को वैध मंजूरी दी जाएगी।
- 2 से 10 एकड़ तक की कॉलोनी को मंजूरी देकर छोटे निवेशकों और बिल्डरों को प्रोत्साहन मिलेगा।
- अवैध प्लॉटिंग करने वालों पर स्वत: अंकुश लगेगा, क्योंकि वैध और सस्ती कॉलोनियों का विकल्प बाजार में रहेगा।

रेरा की स्वीकृति

छत्तीसगढ़ रेरा ने इस नई नीति को पूरी सहमति दी है। यह दर्शाता है कि यह योजना न केवल व्यावहारिक है, बल्कि उपभोक्ता हितों को भी सुरक्षित करती है। रेरा ने माना कि देश में 90% आवासीय कमी निम्न आय वर्ग में है, और यह नीति सुनियोजित शहरीकरण का आधार बनेगी।

एनकाउंटर में मारे गए 'सरकारी रसोइया' ने खड़े किए सवाल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में 10 जून को हुए नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मारे गए 7 माओवादियों में एक की पहचान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। महेश कुड़ियाम, जिसे बस्तर पुलिस ने एक लाख के इनामी माओवादी के तौर पर घोषित किया था, उसके परिजन और ग्रामीण उसे सरकारी प्राथमिक विद्यालय का रसोइया बता रहे हैं। इस खुलासे के बाद बस्तर एनकाउंटर सवालों के घेरे में आ गया है।

परिजनों का दावा: महेश था स्कूल का रसोईया

महेश कुड़ियाम के 7 बच्चे हैं, और वह शासकीय प्राथमिक विद्यालय, इरपागुट्टा में रसोई सहायक के रूप में नियुक्त था। परिजनों ने प्रमाणित किया कि उसे विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा चयनित किया गया था और मार्च 2025 तक सरकारी भुगतान भी हो रहा था। गांववालों ने भी कहा कि मुठभेड़ में मारे गए बाकी 6 लोग नक्सली थे, लेकिन महेश के माओवादी होने का कोई प्रमाण नहीं है।

पुलिस ने कहा- रसोईया भी संगठन से जुड़ा था

बस्तर पुलिस ने बयान में कहा: महेश कुड़ियाम की पहचान माओवादी संगठन के एक सक्रिय सदस्य के रूप में की गई है।

झूठे केस में फंसवाने की धमकी देने वाला आरक्षक निलंबित

दुर्ग। जमीन संबंधी शिकायत में झूठे केस में फंसाने और जेल भेजने की धमकी देने के मामले में आरक्षक को निलंबित कर दिया गया है। मामले में विवेचना करने वाले आरक्षक के द्वारा संदिग्ध आचरण करने पर यह कार्यवाही एसएसपी विजय अग्रवाल ने की है। पूरा मामला थाना सुपेला से जुड़ा है। बुधारु राम यादव पिता स्व. दीनदयाल यादव निवासी सुभाष चौक सुपेला पुरानी बस्ती थाना सुपेला द्वारा अपने कब्जे की भूमि को अनावेदक पक्ष शिखर नायक व अन्य द्वारा अपने नाम पर पंजीयन व कब्जा करने संबंधी थाना सुपेला में प्रस्तुत शिकायत की जांच की जा रही थी। जांच कार्रवाई के दौरान कर्तव्य से परे जाकर अनावेदक को झूठे केस में फंसाने,गिरफ्तार कराने की धमकी देकर संदिग्ध आचरण प्रदर्शित करने के लिए आरक्षक क्रमांक 815 हरेराम यादव 13 वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल कोरबा वर्तमान में तैनाती रक्षित केंद्र जिला दुर्ग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के साथ ही आरक्षक हरे राम यादव की सेवाएं 13वीं वाहिनी मुख्यालय छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल कोरबा को वापस कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उसे जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

200 करोड़ का बैंक फ्रॉड, 70 करोड़ की अवैध संपत्ति

अथाह है सूदखोर तोमर बंधु का काला साम्राज्य

रायपुर। राजधानी रायपुर में सूदखोरी और बैंक फ्रॉड का सबसे बड़ा चेहरा सामने आया है। वीरेंद्र सिंह तोमर और रोहित सिंह तोमर ने फर्जी दस्तावेजों, बोगस कंपनियों और बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर अवैध साम्राज्य खड़ा कर लिया। अब इस गोरखधंधे की एक-एक परत खुल रही है।

दौलत की चकाचौंध

- हवेली, क्लब और स्विमिंग पूल
- 8,000 वर्गफीट में बना आलीशान बंगला
- 2,000 वर्गफीट पर अवैध कब्जा
- बंगले के अंदर बेसमेंट, क्लब और प्राइवेट स्विमिंग पूल
- नक्शा पास नहीं, नगर निगम की अनुमति के बिना निर्माण

फर्जी कंपनियों से फाइनेंशियल फ्रॉड

जांच में खुलासा हुआ है कि 'तोमर मोटर्स', 'रोहित ऑटोमोबाइल्स' और 'शुभकामना वेंचर्स प्रा. लि.' जैसी फर्जी कंपनियों के नाम पर होम और पर्सनल लोन लिए गए। ये लोन फर्जी आधार और पैन कार्ड से पास कराए गए। बैंक एजेंट विकास शर्मा की मदद से पासबुक में नकली एंट्री दिखाई गई, जिससे लोन की रकम से गाड़ियां खरीदी गईं और उन्हें बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल में बेच दिया गया।

राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा

सूत्रों का दावा है कि वीरेंद्र सिंह तोमर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। वह कहता था कि "करोड़ों रुपये खर्च कर टिकट ले लूंगा।" इंटरनेट मीडिया पर नेताओं के साथ फोटो शेयर कर खुद को रसूखदार बताता था। रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह के अनुसार: "अभी तक 70 करोड़ से अधिक की संपत्तियों की जानकारी मिली है। दस्तावेजों की जांच जारी है।" 5 स्पेशल टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू, जल्द भगोड़ा घोषित कर पोस्टर जारी किए जाएंगे। नगर निगम ने भी अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है

संपादकीय

सुकांत राजपूत

11वां, 12वां और 13वां...

सूबाई सियासत से लेकर सूबे की नौकरशाही तक की पेशानी में बल पड़ गया है। सियासी वजह है मंत्री मंडल के लिए 13वां मंत्री कौन होगा? इसी तरह नौकरशाहों में अपने 11वें मुखिया को लेकर कश्मकश है। इस 11वां, 12वां और 13वां के फेर में तेरा-मेरा करने की भी एक खास वजह है। वैसे भी पश्चिम से प्रभावित हमारी ब्यूरोक्रेसी में जैसे पश्चिम में 13 को अच्छा नहीं माना जाता यहां भी तेरहवें मंत्री लिए सभी चिंतामग्न हैं। सरकार फर्माबरदार की तलाश में हैं जबकि वरिष्ठता सूची में जो नाम हैं वो इस टाइप के नहीं हैं।

कमोबेश सियासी नजरिये से भी जिस तेरहवें मंत्री के नाम की चर्चा है उसे भी साधना आसान नहीं। शास्त्रों में तेरह के फेर को बुरा नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण धार्मिक संस्कार माना जाता है, जिसे तेरहवीं कहा जाता है। यह संस्कार मृत्यु के बाद 13वें दिन किया जाता है, और इसका उद्देश्य दिवंगत आत्मा की शांति और मुक्ति के लिए प्रार्थना करना है। सूबे की सत्ता भाजपा की है और भाजपा ग्रह-नक्षत्र, ज्योतिष-वास्तु,अंक गणित-टैरो कार्ड यह सब आजमाने वाली है। सरकार के करीबी कहते हैं कि मुख्य सचिव का मसला कोई प्रशासनिक योग नहीं, बल्कि अंक ज्योतिषीय विवाद में फंस गया है।

जिनकी बनने की बारी है वो सुनेंगे नहीं और जिन्हें पसंद करते हैं उनका नाम तय किया तो दिल्ली से दूसरा ही कोई ना बैठा दिया जाए! फ़िलहाल पसंद-नापसंद और अतिरेक पसंद की पेंच डीजीपी के नाम को लेकर भी है। हालांकि वरिष्ठता के आधार पर अरुण देव हैं। फिर भी हिमांशु गुप्ता के अलावा भी दिल्ली तक एक नाम है। वैसे भी मध्य प्रदेश में ब्यूरोक्रेट्स का नाम तय कर दिया गया था लेकिन दिल्ली से किसी और नाम को पदासीन किया गया था। बहुत ही नामुसी हुई थी सरकार की। रही बात 11वां, 12वां और 13वां...के चक्कर में साय सरकार के 3 साल हो गाने को हैं... मंत्री मंडल विस्तार भी जरुरी है। वैसे भी पदच्युत होते ही कांग्रेस भी विधानसभा सत्र में जमकर हंगामा करने के मूड में है। ऐसे में डीजीपी, सीएस और तीन नए मंत्री के नामों को लेकर राजधानी रायपुर से लेकर दिल्ली तक में नाप-तौल के बोल वाली स्थिति है।

हर नाम समीकरणों के दायरे में है। किसी नाम के साथ कुछ समीकरण है, तो किसी नाम के साथ अलहदा बीजगणित। सरकार दिल्ली से मिलने वाले संकेतों पर टकटकी लगाए है। एक नाम पर इशारा होने भर की देरी है, इधर हरकत शुरू कर हो जाएगी। फिलहाल मुख्य सचिव, डीजीपी, और मंत्री बनने की उम्मीद में बैठे कइयों के दिलों की धड़कन तेज है। कुछ होने वाले फैसलों पर खामोश नजर बनाए हुए हैं, तो कुछ नीति निर्धारकों से भेंट-वार्ता का उपक्रम जारी रखे है।.

सिर्फ़ आसन या फिर प्राणायाम ही योग नहीं

कुंवर राजभूषण सिंह 'गहलौत'

योग के संबंध में यह एक भ्रांति ही है कि दिन में आधे से एक घंटा आसन या प्राणायाम कर लेने से योग पूरा हो गया। अधिकांश लोग योग को केवल शारीरिक अभ्यास तक सीमित मानते हैं। योग अपनाएं, तो इसका प्रभाव अभ्यास के एकाध घंटे तक सीमित न रहकर हर समय महसूस किया जा सकता है। वास्तव में, योग एक सम्पूर्ण जीवनशैली है, जिसे हर क्षण जिया जाना चाहिए।

व्यावहारिक जीवन में योग

वर्तमान जीवनशैली में प्रत्येक मनुष्य अत्यधिक तनाव से गुज़र रहा है। भौतिकतावाद एवं अतिमहत्वाकांक्षा के चलते लोग कुंठा, निराशा, क्रोध और अवसाद में जा रहे हैं। हमारे जीवन में छोटी-बड़ी विपरीत परिस्थितियां तो प्रतिदिन आती ही हैं। किंतु विपरीत परिस्थितियों में भी मन को संतुलन में रखना ही योग है। मन की यह स्थिति ही वास्तविक योग है। आप योग अपनाकर अपने आपको मानसिक रूप से इतना मज़बूत बना सकते हैं कि उनके नकारात्मक व्यवहार से दुष्प्रभावित न होते हुए, मन में क्लेश आदि न पालते हुए, समभाव में बने रहें। योग हमें यह शक्ति प्रदान करता है। सड़क पर किसी के द्वारा ग़लत तरीक़े से गाड़ी को ओवरटेक करने पर क्रोधित होना या कॅरियर को लेकर चिंता होना, इन सबका प्रभाव आपके ही भीतर सतत तनाव और रोगों के रूप में दिखाई देगा। योग इन उतार-चढ़ावों के बीच संतुलित रहकर, शांत चित्त से कर्म करते हुए, जीवन को समभाव से जीना सिखाता है।

योग के लिए कहा गया है कि...

'समत्वं योग उच्चयते।।'

सदा अपने मन को संतुलन में बनाए रखना ही योग है!

'योग: कर्मशु कौशलम्।।'

अपने कर्मों को मन लगाकर, कुशलतापूर्वक करना भी योग है!

'योगश्चित्तवृत्तिनिरोध:।।'

अपने चित्त की वृत्तियों का निरोध कर यानी उन्हें रोककर सदा वर्तमान में बने रहना ही योग है!

योग के आठ अंग हैं

अष्टांग योग यानी पांच यम (सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य) एवं पांच नियम- (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्राणिधान) का पालन करते हुए आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि की ओर जाना ही वास्तविक योग है।

एकाग्रता के साथ करें आसन

अधिकांश साधक आसन अभ्यास सिर्फ़ शारीरिक स्तर पर ही करते हैं। इस दौरान भी उनका मन अन्यत्र विचारों में लिप्त रहता है। आसनों के दौरान भी यदि हम अपना मन आसन में, आसनों के शरीर पर आ रहे प्रभावों पर लगाए रखें तो ध्यान के पूर्व की एक सीढ़ी यानी 'एकाग्रता' का

लाभ लिया जा सकता है। और यही एकाग्रता हमें मानसिक रूप से मज़बूत बनाकर प्रतिपल का योगी बनाएगी और विपरीत परिस्थितियों का सामना हंसते हुए करना सिखाएगी।

गहरी सांस से शांत मन

हम पूरे जीवन अपनी श्वसन क्षमता का 20 प्रतिशत ही उपयोग करते हैं। आसनों के पश्चात प्राणायाम हमारे श्वसन को इस तरह प्रशिक्षित कर देता है कि हम पूरे दिन दीर्घ, लंबा, गहरा, नियमित और नियंत्रित श्वसन करना सीख सकें। हमारे श्वसन और मन का बहुत ही गहरा संबंध होता है। जितना हमारा श्वसन दीर्घ और गहरा होगा, मन भी उतना ही अधिक शांत, आनंदित, प्रसन्न और संतुलित रहेगा। हम स्वस्थ्य जीवन जी सकेंगे। जब भी दैनंदिनी कार्यों के दौरान तनाव की स्थिति महसूस हो, नेत्र बंद कर दस सांसों की गिनती कर लें और उसके पश्चात कोई भी प्रतिक्रिया दें तो परिणाम सकारात्मक आएंगे। तनाव, विवाद की स्थिति से बच सकेंगे।

आसन, प्राणायाम के बाद धारणा और ध्यान

ध्यान लगाना अभ्यास मांगता है। ध्यानस्थ होकर हम प्रत्याहार के माध्यम से अपनी इंद्रियों को नियंत्रित करना सीखते हैं, तो हमारा मन बाहरी चीज़ों से हटकर भीतर की ओर मुड़ता है। इस अवस्था में मन को किसी एक लक्ष्य पर केंद्रित करना आसान हो जाता है, यही धारणा है। जब यह एकाग्रता व स्थिरता गहराने लगती है, तो हम ध्यान की अवस्था में प्रवेश करते हैं। ध्यान हमें आंतरिक शांति, स्पष्टता की ओर ले जाता है।

योग को हर क्षण जिएं...

- सुबह उठते ही 2 मिनट शांत बैठें, श्वास पर ध्यान दें। इससे मन स्थिर होगा। दिनभर मानसिक संतुलन बना रहेगा।
- घर के काम करते समय 'मौन' का अभ्यास करें। दिन की शुरुआत कम से कम विचारों के साथ करें।
- नाश्ते/खाने के समय भोजन को ध्यानपूर्वक, चबाकर और कृतज्ञता के साथ खाएं। यह भी ध्यान का एक रूप है।
- कार या बस में सफ़र करते समय गहरी और नियंत्रित सांस लें। यह प्राणायाम का सूक्ष्म अभ्यास बन सकता है।
- ऑफिस में तनावपूर्ण स्थिति में 10-15 गहरी सांसें लें और सोच-समझकर शांत प्रतिक्रिया दें।

(व्यंग्य बाण)

मोहन तिवारी
(राज्य पुरस्कार से अलंकृत पत्रकार)

आम के आम, गुठलियों के दाम — एक लोकतांत्रिक व्यंग्य

"आम के आम, गुठलियों के दाम" —

यह कहावत तो आपने अक्सर सुनी होगी, पर क्या कभी इसे जीते-जागते देखा है?

जी हाँ! यही कुछ हुआ एक छोटे से गाँव में... जहाँ आम तो बाँटे गए पर असली मुनाफा किसी और ने काट लिया।

बात शुरू होती है एक गाँव से।

गाँव छोटा था, मगर संविधान बड़ा था। लोकतंत्र था, वोट थे, और हर साल में सरपंच चुना जाता था।

इस बार जो सरपंच बना, वह एक साल की सत्ता से संतुष्ट नहीं था। वह चाहता था सत्ता स्थायी हो जाए — नियम बदले जाएँ, संविधान नया बने। दूसरे गांव के अपने रिश्तेदारों को भी गांव का वोटर बना लिया जाए..

पर संविधान बदलने के लिए ज़रूरत थी गाँव के 60% लोगों की सहमति की।

ग्रामसभा बुलाई गई, भाषण हुए, नारे लगे, लेकिन सहमति नहीं मिली।

कुछ लोग विरोध में थे — विरोध में थे उनको मारपीट कर सरपंच समर्थकों ने भगा दिया,

पर इस विवाद के चलते संविधान बदलने के लिए जरूरी संख्या नहीं हासिल हो सकी

सरपंच ने कई दांव आज़माए —

घर-घर रजिस्टर भेजा गया, साइन करवाने की कोशिश हुई, फिर भी बात नहीं बनी।

समस्या बड़ी थी — कार्यकाल खत्म होने को था और सपना अभी अधूरा था।

सरपंच ने सलाहकार नारद को बुलाया।

नारद कोई आम आदमी नहीं था — दिखने में पतला दुबला लेकिन चालाकी में चाणक्य और स्कीम में शकुनि था।

नारद ने दिमाग लगाया कि

गांव के अगर 60% से ज्यादा लोगों को एक जगह इकट्ठा कर लिया जाए तो उनसे सहमति हासिल करना आसान होगा ..

नारद के दिमाग चलाया,,,,,वो जानता था

"गाँव के लोग आम के दीवाने हैं,

नारद ने कहा : सरपंच जी एक आम उत्सव का आयोजन करते हैं आप पूरे गांव को आम का न्योता दीजिए... लेकिन गुठलियों में अपना खेल खेलिए!"

सरपंच को आइडिया जँच गया।

सो, पूरे गाँव में मुनादी हुई:

"सोमवार को 'महाआम उत्सव' होगा! बरगद के नीचे पहुँचिए, और मनचाहे आम पाइए!"

एक आम के बाग वाले बड़े जमींदार से आम का इंतजाम करने कहा गया है

सोमवार आया, आम भी आए, और आम खाने वाले भी आए।

पर आम खाने से पहले एक शर्त थी —

"आम खाइए, लेकिन गुठली नारद जी को लौटाइए!"

गाँव वाले कुछ हँसे, कुछ चौंके, पर आम के लालच में गुठलियाँ भी सौंप दीं।

अब खेल शुरू हुआ।

नारद हर गुठली के साथ एक रजिस्टर आगे रखता और कहता —

"बस एक सहमति का साइन कर दीजिए... कि आपने आम खाया है!"

भोले ग्रामीणों ने साइन कर दिए।

उन्हें क्या पता था कि ये दस्तख़त आम खाने की रसीद नहीं, संविधान बदलने की सहमति बनेंगे!

दिन ढले तक 60% क्या, 70% लोगों के दस्तख़त हो चुके थे।

सरपंच ने जश्न में नारद से कहा —

"काम हो गया!"

नारद मुस्कुराया, और गुठलियाँ दिखाते हुए बोला —

"सरपंच जी, ये देखिए... आम भी खा लिए और गुठलियों से आपका सपना भी साकार!

यही तो कहते हैं — 'आम के आम, गुठलियों के दाम'!"

कोंदा-भैरा के गोठ

-ए बछर जनगणना होही काहत हें जी भैरा.

-हव जी कोंदा.. केंद्र सरकार ह अधिसूचना ढील डारे हे.

-तोला कइसे जनाथे.. ए जाति के जनगणना ले कोन ल जादा नफा या नुकसान होही?

-जाति-पाती के सरेखा ल अभी छोड़ संगी.. हमला छत्तीसगढ़िया अउ छत्तीसगढ़ी के संख्या ऊपर चेत करना हे. हमर महतारी भाखा छत्तीसगढ़ी के बोलइया ए राज म 66 प्रतिशत लोगन हें, तभो इहाँ लेद-बरेद 6 प्रतिशत लोगन के महतारी भाखा हिंदी ल राजभाषा घोषित करे गे हवय.. ए ह षडयंत्र आय. अभी होवइया जनगणना ह ठउका अवसर ए छत्तीसगढ़ी महतारी भाखा वाले मन के संख्या म निश्चित रूप ले अउ बढ़ोत्तरी होही.

-हव बने काहत हावस.

-तैं तो जानते हावस 28 नवंबर बछर 2007 म छत्तीसगढ़ी ल राजभाषा के दर्जा मिलगे हावय, फेर अभी तक ए ह सिरिफ खानापूर्ति म ही दिखथे.. शिक्षा अउ राजकाज के ठीहा म मौसीदाई बरोबर तिरिया दिए जाथे.

-सोला आना गोठ कहे.. ए बखत हमेरी झड़इया मनला घलो महतारी भाखा के खँड़ म छत्तीसगढ़ी लिखवाय खातिर कोचकबो.

-जरूरी हे.. हर वर्ग अउ समाज के लोगन ल अपन भाखा खातिर कोनो भी कारण ले भरे गे हीनता ले निकले बर लागही.. पूरा गरब अउ आत्मविश्वास के संग महतारी भाखा छत्तीसगढ़ी लिखवाय बर परही.

साप्ताहिक शहर सत्ता

ईरान-इजराइल वॉर में अमेरिका की एंट्री

ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह

क्या हैं B-2 स्टील्थ बॉम्बर्स जिससे अमेरिका ने ईरान को बनाया निशाना

बी-2 स्टील्थ बॉम्बर दुनिया का सबसे महंगा विमान है। यह तीन दशकों से भी ज्यादा वक्त से अमेरिकी स्टील्थ टेक्नोलॉजी की रीढ़ रहा है। बी-2 को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ में डिजाइन किया गया है और यह सभी ऊंचाईयों पर मार करने की क्षमता और एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने के लिए जाना जाता है। यह विमान रडार की पकड़ में भी आसानी से नहीं आता है। इसके फ्लाइंग-विंग डिजाइन, रडार- एबजोरमेंट मेटेरियल और कम इन्फ्रारेड सिग्नेचर की वजह से इसका रडार क्रॉस-सेक्शन लगभग 0.001 वर्ग मीटर है। यह किसी छोटे पक्षी के बराबर है। गाइडेड बम यूनिट (GBU) 57 को बंकर बस्टर भी कहा जाता है। इसमें जीपीएस लगा हुआ है और यह बंकरों और सुरंगों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका वजन 30,000 पाउंड है और जबकि पिछली रिपोर्टों से पता चलता है कि यह जमीन में 200 फीट तक घुस सकता है।

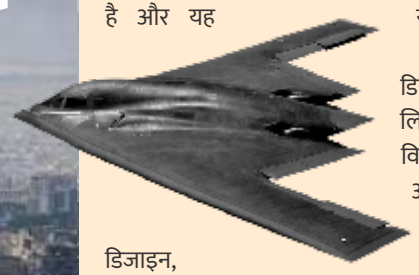

वाशिंगटन। इजरायल और ईरान के तनाव में अब अमेरिका की एंट्री हो गई है। अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम बसराए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान की फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु साइट को निशाना बनाया है। इन तीनों साइट्स को तबाह करने के लिए अमेरिका ने B-2 Stealth Bombers फाइटर जेट का इस्तेमाल किया है। आइए जानते हैं कि यह अमेरिकी फाइटर जेट कितना खतरनाक है, जिसने ईरान में तबाही मचा दी। अमेरिका और इजरायल ने इस सैन्य कार्रवाई पर खुशी जाहिर की है। वहीं, ईरान को इस हवाई हमले का पलटवार न करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि पिछले कई दशकों से ईरान के इन तीन साइट्स पर परमाणु कार्यक्रम को अंजाम दे रहे थे। इन तीनों न्यूक्लियर साइट्स के तबाह हो जाने का मतलब है कि ईरान का परमाणु हथियार बनाने का सपने भी टूट गया है।

फोर्डो न्यूक्लियर प्लांट

13 जून की सुबह से ही इजरायली सेना ईरान के कई परमाणु ठिकानों पर हमले कर रही है। लेकिन ईरान के सबसे सुरक्षित न्यूक्लियर प्लांट फोर्डो को इजरायली सेना छू भी नहीं पाई थी। ईरान ने फोर्डो प्लांट को मानों एक अभेद किला में तब्दील कर रखा था। इस प्लांट को तबाह करना का मतलब था कि किसी पहाड़ को हिला कर रख देना, जो अमेरिका ने कर दिखाया है। दरअसल, ईरान ने इस संयंत्र को । एक पहाड़ के नीचे और जमीन में करीब 300 फीट गहराई में बनाया है। खास बात ये थी कि इस संयंत्र को खास तौर पर डिजाइन ही हवाई हमले से बचने के लिए किया गया था। माना जाता है कि साल 2006 में ईरान ने इस न्यूक्लिर प्लांट को बनाने की शुरुआत की थी।

नतांज न्यूक्लियर प्लांट

अब बात की जाए नतांज न्यूक्लियर प्लांट की, जहां ईरान यूरेनियम एनरिचमेंट कर रहा था। बता दें कि यूरेनियम को इनरिच करने के बाद ही इससे परमाणु बम बनाया जाता है। नातांज में हजारों एडवांस्ड सेंट्रीफ्यूज हैं, जिनमें से कुछ 60 फीसदी तक न्यूक्लियर को एनरिच कर सकते हैं। न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव (एनटीआई) के अनुसार, नतांज में 6 जमीन के ऊपर की इमारतें और तीन अंडरग्राउंड संरचनाएं हैं, जिनमें से दो में 50,000 सेंट्रीफ्यूज रखे गए हों।

इस्फहान न्यूक्लियर प्लांट

इस्फहान न्यूक्लियर प्लांट में तेजी से परमाणु हथियार बनाने का काम चल रहा था। इस संयंत्र पर येलोकेक को यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड में बदला जा रहा था। इस संयंत्र पर रिएक्टर फ्यूल को निर्मित की जा रही थी। वहीं परमाणु हथियारों के लिए यूरेनियम धातु बनाया जा रहा था। वहीं, ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 350 किलोमीटर (215 मील) दक्षिण-पूर्व में स्थित इस्फहान सिटी में सैकड़ों परमाणु वैज्ञानिक काम कर रहे थे। इसी जगह में परमाणु कार्यक्रम से जुड़ तीन चीनी रिसर्च रिएक्टर्स और लैब्स भी हैं। ये तो कहानी थी उन तीन न्यूक्लियर प्लांट्स की जिसे अमेरिका ने तबाह कर दिया है।

ईरान से नेपाल-श्रीलंका के नागरिकों को भी वापस लाएगा भारत

नई दिल्ली। भारत सरकार के ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान में फंसे 310 भारतीय नागरिकों को लेकर एक और विमान शनिवार (21 जून) की शाम दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचा. ऑपरेशन सिंधु के तहत भारतीय नागरिकों को लेकर विमान ने ईरान के मशहद से शनिवार की शाम को रवाना हुआ था. इसके बाद विमान ने भारतीय समय के मुताबिक, शनिवार (21 जून) की शाम 4.30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग की.

ईरान में भारत के दूतावास की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध पर इन देशों के नागरिकों को भी ऑपरेशन सिंधु के तहत भारत लाया जाएगा. नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा ने इस मदद के लिए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का आभार जताया. उन्होंने कहा कि ये भारत और नेपाल के मजबूत रिश्तों का एक बड़ा उदाहरण है.

राहुल ने ECI से महाराष्ट्र विस चुनाव की मांगी फुटेज

नई दिल्ली। मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करने की मांगों के बीच, भारतीय चुनाव आयोग के अधिकारियों ने 21 जून को कहा कि ऐसा कदम मतदाताओं की गोपनीयता और सुरक्षा से संबंधित चिंताओं का उल्लंघन होगा. अधिकारियों ने दावा किया कि जो मांग एक तर्कसंगत अनुरोध के रूप में पेश की जा रही है, वह वास्तव में मतदाताओं की गोपनीयता और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951 में निर्धारित कानूनी प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पूरी तरह विपरीत है. अधिकारियों ने कहा कि फुटेज साझा करने से किसी भी समूह या व्यक्ति की ओर से मतदाताओं की आसानी से पहचान की जा सकेगी।

पाकिस्तान से सिंधु जल संधि कभी बहाल नहीं होगीः शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ किया है कि भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने का फैसला स्थायी रूप से लिया है और अब यह संधि बहाल नहीं की जाएगी. उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने इस समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया, इसलिए उसे अब वह पानी नहीं मिलेगा, जो पहले उसे मिल रहा था. टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा, "नहीं, यह (संधि) कभी बहाल नहीं होगी. अंतरराष्ट्रीय संधियों को एकतरफा रद्द करना आसान नहीं होता, लेकिन हमें इसे निलंबित करने का अधिकार था और हमने वही किया." उन्होंने बताया कि यह संधि भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और प्रगति के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन जब इसकी शर्तें ही टूट गईं तो उसका औचित्य समाप्त हो गया. 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. इस हमले में 26 पर्यटकों की जान गई, जिससे भारत में गुस्सा और दुख की लहर दौड़ गई. इसके तुरंत बाद भारत ने सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

पानी से ग्रीन हाइड्रोजन बनाने वाला उपकरण विकसित

नई दिल्ली। लगातार गर्म होती धरती को बचाने के लिए भारत केवल हवा हवाई बातें नहीं करता बल्कि अपने कदमों से साबित करता है कि भारतीय यूं ही धरती को माता नहीं कहते। भारत ने न केवल आगे बढ़कर 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है बल्कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई कदम उठा रहा है। इसी सिलसिले में भारतीय विज्ञानियों ने ऐसा उपकरण बनाया है जिससे सौर ऊर्जा का उपयोग करके पानी से ग्रीन हाइड्रोजन बनाया जा सकेगा। गौरतलब है कि ग्रीन हाइड्रोजन सबसे स्वच्छ ईंधनों में से एक है, जो उद्योगों को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने, वाहनों को चलाने और अक्षय ऊर्जा संग्रहीत करने में सक्षम है, किंतु ग्रीन हाइड्रोजन बनाने में काफी फंड की जरूरत होती है। अब तक ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का किफायती उपकरण या तरीका नहीं था।

भरोसे की उड़ान बनी डर का नाम!

Air India से नाखुश हैं 79% लोग; सर्वे में खुलासा

एअर इंडिया की सेवाओं को लेकर यात्रियों के बीच नाराजगी तेजी से बढ़ रही है. 12 जून को अहमदाबाद में फ्लाइट AI171 की भीषण दुर्घटना के बाद यह असंतोष और गहरा हो गया है. हाल ही में लोकलसर्कल्स द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में एअर इंडिया की उड़ानों की गुणवत्ता, रखरखाव, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को लेकर चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं. यह सर्वे यात्रियों के अनुभवों के आधार पर तैयार किया गया, जिसमें देशभर के हजारों नागरिकों ने भाग लिया और एअर इंडिया के संचालन पर गंभीर सवाल खड़े किए.

सर्वे में शामिल 79 प्रतिशत यात्रियों ने यह माना कि एअर इंडिया के विमानों की स्थिति और उनका रखरखाव बेहद खराब है. यह आंकड़ा वर्ष 2024 में 55 प्रतिशत था, जिससे स्पष्ट होता है कि एक साल में यात्री अनुभवों में भारी गिरावट आई है. 12 जून को एअर इंडिया की फ्लाइट AI171, जो बोइंग 787 ड्रीमलाइनर थी, अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस हादसे में 242 में से केवल एक यात्री जीवित बच पाया, जबकि जमीन पर मौजूद 34 अन्य लोगों की भी मौत हो गई. यह घटना एअर इंडिया की सुरक्षा व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े करती है और यात्रियों की आशंकाएं और भी गहरी हो गई हैं. इस सर्वेक्षण में देश के 307 से अधिक जिलों से लगभग 15,000 यात्रियों ने हिस्सा लिया. इनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं थीं. प्रतिभागियों में 44 प्रतिशत टियर-1 शहरों से, 26 प्रतिशत टियर-2 और 30 प्रतिशत टियर-3, 4, 5 व ग्रामीण क्षेत्रों से थे. यह सर्वे यात्रियों के व्यापक अनुभवों पर आधारित था.

सर्वे में 48 प्रतिशत यात्रियों ने कहा कि उन्हें अपने सामान की हैंडलिंग में परेशानियों का सामना करना पड़ा, जबकि 2024 में यह संख्या 38 प्रतिशत थी. 36 प्रतिशत यात्रियों ने फ्लाइट के मनोरंजन सिस्टम को खराब बताया, जो पिछले वर्ष 24 प्रतिशत था. 31 प्रतिशत यात्रियों ने एअर इंडिया की कस्टमर सर्विस से असंतोष जताया, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 24 प्रतिशत था. उसी तरह 31 प्रतिशत यात्रियों ने खाने की गुणवत्ता पर सवाल उठाए, जिससे भोजन संबंधी अनुभव भी नकारात्मक साबित हुआ.

बुमराह ने रचा इतिहास

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बने

भारतीय क्रिकेट टीम ने पहली पारी में 471 रन बनाए, जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं हुई. जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में जैक क्रॉली (4) को आउट किया. हालांकि इसके बाद इंग्लैंड की पारी संभली, बेन डकेट और ओली पोप ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 122 रनों की साझेदारी की. इसे भी बुमराह ने तोड़ा, उन्होंने डकेट (62) को बोल्ड किया. जसप्रीत बुमराह ने ही इंग्लैंड की पारी का तीसरा विकेट भी चटकाया, उन्होंने जो रुट (28) को टेस्ट क्रिकेट में 10वीं बार अपना शिकार बनाया. दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट खोकर 209 रन बना लिए हैं. अभी वे भारत से 262 रन पीछे हैं.

तोड़ा वसीम अकरम का रिकॉर्ड

सेना देशों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज अब जसप्रीत बुमराह हैं. पहले ये रिकॉर्ड वसीम अकरम के नाम था, जिसे शनिवार को बुमराह ने तोड़ दिया. सेना देशों में साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देश आते हैं. जसप्रीत बुमराह के सेना देशों में 60 पारियों में 148 विकेट हो गए हैं. वसीम अकरम लिस्ट में पहले से खिसककर दूसरे स्थान पर आ गए, उन्होंने सेना देशों में खेली 55 पारियों में 146 विकेट चटकाए हैं. 141 विकेट के साथ लिस्ट में अनिल कुंबले तीसरे और 130 विकेट के साथ इशांत शर्मा चौथे नंबर पर हैं.

सेना देशों में बुमराह के विकेट्स

साउथ अफ्रीका के खिलाफ	-	38
इंग्लैंड के खिलाफ	-	40
न्यूजीलैंड के खिलाफ	-	06
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ	-	64

नीरज ने एक बार फिर विदेशी जमीन पर लहरा दिया तिरंगा

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स का चमकता सितारा नीरज चोपड़ा शुक्रवार (20 जून 2025) को पेरिस में एक बार फिर चमका. नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर न केवल सीजन की पहली जीत हासिल की, बल्कि यह उनकी कुल मिलाकर पांचवीं डायमंड लीग जीत भी बन गई. नीरज ने यह जीत पहले ही प्रयास में हासिल की और इसके बाद के थ्रो में संघर्ष के बावजूद वे अपना लीड बरकरार रखने में सफल रहे.

प्रतियोगिता से पहले जर्मनी के जूलियन वेबर को नीरज के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा था. वेबर ने दोहा 2023 में नीरज को हराया था, लेकिन इस बार तस्वीर बदल गई. पहले प्रयास में नीरज ने 88.16 मीटर का थ्रो फेंका, जबकि जूलियन वेबर ने 86.20 मीटर का. हालांकि, इसके बाद अगले 5 थ्रो में नीरज ने बढ़त बनाते हुए जूलियन वेबर को पछाड़ते हुए जीत हासिल कर ली. वेबर पूरी प्रतियोगिता में नीरज से आगे नहीं निकल पाए, जबकि नीरज ने स्थिरता दिखाई और अंतिम परिणाम में वेबर से आगे रहे.

दा सिल्वा ने महाद्वीपीय रिकॉर्ड तोड़ा

जब दर्शकों को लग रहा था कि वाल्कोट तीसरे स्थान पर रहेंगे, तभी ब्राज़ील के मौरिसियो लुईज दा सिल्वा ने 86.20 मीटर का थ्रो कर महाद्वीपीय रिकॉर्ड बनाते हुए पोडियम में तीसरा स्थान हासिल कर लिया. यह क्षण दर्शकों के लिए अप्रत्याशित लेकिन रोमांचक रहा. नीरज की यह डायमंड लीग करियर की 5वीं जीत रही. अब तक उनके नाम लॉज़ेन 2022,डायमंड लीग फ़ाइनल 2022 (ज्यूरिख),दोहा 2023, लॉज़ेन 2023 और पेरिस 2025 की जीत शामिल रही है. यह दिखाता है कि नीरज केवल एक "वन-टाइम ओलंपिक चैंपियन" नहीं, बल्कि लगातार शीर्ष प्रदर्शन करने वाले एथलीट हैं.

25 जून को खुल रहा HBD फाइनेंशियल सर्विसेज का IPO

नई दिल्ली। HBD फाइनेंशियल सर्विसेज का आईपीओ 25 जून को ओपन हो रहा है. हालांकि, 12,500 करोड़ रुपये के इस इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) से 49,336 शुरुआती निवेशकों को 48 परसेंट तक नुकसान होने का खतरा है. 19 जून को दाखिल इसके लेटेस्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (RHP) से इसका खुलासा हुआ है. इसके मुताबिक, 19 जून, 2025 तक इसके 49,553 इंडिविजुअल शेयरहोल्डर्स के पास HDB Financial में पहले से ही हिस्सेदारी थी. कंपनी के अनलिस्टेड फेज में इन्होंने 1,200 रुपये से लेकर 1,350 रुपये के रेंज में शेयर खरीदे थे. अब जब IPO की कीमत 700-740 रुपये प्रति शेयर है, तो इससे शुरुआती निवेशकों को 38-48 परसेंट तक का नुकसान झेलना पड़ सकता है। इसका मतलब है कि अगर आईपीओ ऑफर प्राइस बैंड के करीब लिस्ट होता है, तो शेयर खरीदने वाले व्यक्ति का इंवेस्टमेंट वैल्यू आधा रह जाएगा।

6 महीने से बढ़ रही सोने की कीमत पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली। भारत में सोने की कीमतें लगातार बढ़ती ही जा रही हैं. सोने का भाव लगातार छह महीने से बढ़ता ही जा रहा है. अकेले जून में इसकी कीमतों में 3 परसेंट का उछाल आया है. इससे पहले मई 2022 में ऐसा होते देखा गया था. बीते 22 अप्रैल, 2025 को भारत में सोने की कीमत ने 1 लाख रुपये के आंकड़े को पार कर लिया है. अब ईरान-इजरायल के बीच तनाव के चलते इसकी कीमत ने फिर से जोर पकड़ी है. हालांकि, अमेरिकी फेड के ब्याज दरों को 4.25-4.50 परसेंट पर बरकरार रखने के फैसले से सोने की कीमतों में कुछ नरमी आई है. सोने की कीमतों में बीते एक हफ्ते में 930 रुपये की गिरावट आई है, लेकिन भाव अभी भी 1 लाख से ज्यादा ही है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट के 1 ग्राम सोने की कीमत 10,090 रुपये है. वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत 9,250 प्रति ग्राम है. 18 कैरेट सोने की कीमत 7,569 रुपये प्रति ग्राम है. कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और केरल में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 10,075 रुपये प्रति ग्राम है. इन शहरों में 1 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 9,235 रुपये और 18 कैरेट सोने की कीमत 7,556 रुपये प्रति ग्राम है. वडोदरा और अहमदाबाद में 1 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 10,080 रुपये है, इतने ही ग्राम के 22 कैरेट सोने की कीमत 9,240 रुपये है और 18 कैरेट सोने की कीमत 7,560 रुपये प्रति ग्राम है. मुंबई में आज 1 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 10,075 रुपये, 22 कैरेट सोने की कीमत प्रति 1 ग्राम 9,235 और 18 कैरेट सोने की कीमत 7,556 रुपये प्रति ग्राम है. चेन्नई में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 10,075 रुपये प्रति ग्राम है. यहां 22 कैरेट सोने की कीमत आज 9,235 और 18 कैरेट सोने की कीमत 7,600 रुपये है.

संन्यास की घोषणा कर इमोशनल हुए मैथ्यूज

नई दिल्ली। बांग्लादेश और श्रीलंका का टेस्ट मैच ड्रॉ पर छूटा है, जिसमें श्रीलंका को चौथी पारी में 295 रनों का लक्ष्य मिला था. पांचवें दिन श्रीलंका 4 विकेट के नुकसान पर 72 रन बना पाई, नतीजन मुकाबला ड्रॉ पर छूटा. इस मैच के समाप्त होते ही दिग्गज खिलाड़ी एंजेलो मैथ्यूज ने रेड-बॉल फॉर्मेट को रिटायरमेंट ले ली है. अपने टेस्ट करियर की आखिरी पारी में मैथ्यूज सिर्फ 8 रन बना पाए. बता दें कि मैथ्यूज ने अपने 119 मैचों के टेस्ट करियर में 8 हजार से अधिक रन बनाए. एंजेलो मैथ्यूज ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में पहला टेस्ट उनके रेड-बॉल करियर का आखिरी मैच होगा. पहली पारी में उन्होंने 39 रन बनाए थे. उन्होंने अपनी टीम को पहली पारी में 485 रनों तक पहुंचने में मदद की थी. पहली पारी में उन्हें मोमिनुल हक ने आउट किया था. दूसरी पारी में मैथ्यूज सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हुए और इस बार उनका विकेट ताइजुल इस्लाम ने लिया. पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में एंजेलो मैथ्यूज इमोशनल हो गए थे. उन्होंने कहा, "यह सफर आसान नहीं था, जिसमें कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले. मैं इस मुकाम तक सिर्फ अपने साथियों के सपोर्ट के कारण पहुंच पाया।

अब चीन को 'नमक' लगा रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली। भारत द्वारा पाकिस्तान से आने वाले हिमालयन पिंक सॉल्ट (सेंधा नमक) के आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, पाकिस्तान के व्यापारियों की कमर टूट गई है. 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी व्यापारिक रिश्ते पूरी तरह खत्म कर दिए थे. इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान गई, जिसके बाद भारत ने सख्त रुख अपनाया और पाकिस्तानी वस्तुओं पर बैन लगा दिया. पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित खेवड़ा दुनिया की सबसे बड़ी सेंधा नमक की खदानों में से एक है. यहां 30 से ज्यादा प्रोसेसिंग यूनिट्स हैं जो हर साल लाखों टन नमक दुनिया भर में भेजती हैं।

पंत के 'बैकफ्लिप सेलिब्रेशन' ने बटोरी सुर्खियाँ

टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपनी आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर हर समय चर्चा में रहते हैं. लेकिन इस समय पंत बल्लेबाजी के साथ-साथ अपने 'बैकफ्लिप सेलिब्रेशन' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. पंत ने पहली बार IPL 2025 में 'बैकफ्लिप सेलिब्रेशन' किया था. इसके बाद पंत ने अब शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ भी 'बैकफ्लिप सेलिब्रेशन' किया है. यहां जानिए पंत कब और क्यों करते हैं 'बैकफ्लिप सेलिब्रेशन.'

परिस्थिति से निकलकर बड़े मौकों पर बेहतरीन प्रदर्शन करने में सक्षम है. पंत ने आईपीएल में शतक जड़ने के बाद पहली बार बैकफ्लिप लगाकर सेलिब्रेट किया था. वहीं अब एक बार फिर उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद बैकफ्लिप लगाकर सेलिब्रेट किया है. पंत को 'स्पाइडी' के नाम से भी जाना जाता है. पंत का ये सेलिब्रेशन उनके निकनेम से भी मेल है. बता दें कि पंत ने खुद अब तक ये खुलासा नहीं किया है कि वो इस तरह क्यों सेलिब्रेट करते हैं.

कब और क्यों करते हैं पंत बैकफ्लिप सेलिब्रेशन?

पंत साल 2022 में कार एक्सिडेंट में बुरी तरह चोटिल हो गए थे. इसके बाद वो लगभग दो साल तक क्रिकेट से दूर रहे. पंत ने इस एक्सीडेंट के बाद ही बैकफ्लिप मारकर सेलिब्रेट करना शुरू किया है. पंत इस तरह सेलिब्रेट कर अपनी खुशी जाहिर करते हैं. पंत का ये सेलिब्रेशन कहीं ना कहीं उनकी मुश्किलों से लड़ने की क्षमता को दिखाता है. यह बताता है कि वो किसी भी

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ जड़ा ऐतिहासिक शतक

पंत ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक जड़ा है. पंत ने 178 गेंदों में 134 रनों की पारी खेली. इस पारी में पंत ने 12 चौके और 6 छक्के लगाए. पंत का ये सातवां टेस्ट शतक है. पंत इसी के साथ भारतीय विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने इस शतक के साथ एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है. धोनी ने टेस्ट में 6 शतक लगाए हैं.

साप्ताहिक शहर सत्ता

पांच बैठकें लेकर सरकार के खिलाफ आक्रामक रणनीति बनाएंगे पायलट

राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे के दौरे का रोडमैप करेंगे तैयार

शहर सत्ता/ रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट लगातार दूसरे महीने प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। दो दिवसीय दौरे के पहले दिन 23 जून को कांग्रेस की एक के बाद एक लगातार पांच बैठकें होंगी। इस दौरान राज्य सरकार के खिलाफ और आक्रामक होने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। पायलट अपनी बैठक के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दौरे का रोडमैप भी तैयार करेंगे।

वहीं संगठन के विस्तार को लेकर भी बातचीत होगी। पायलट इससे पहले मई में संविधान बचाओ रैली में शामिल होने बिलासपुर आए थे। सोमवार को सबसे पहले पायलट पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक लेंगे। इसमें पार्टी संगठन के आगामी कार्यक्रमों और रणनीतियों पर बात की जाएगी। इसमें राज्य सरकार के खिलाफ चलाए जाने वाले आक्रामक अभियान के साथ ही संगठन की मजबूती के लिए चलाए जाने वाले अभियानों पर बात की जाएगी। पिछले महीने मई में जब सचिन पायलट संविधान बचाओ रैली में शामिल होने बिलासपुर आए थे, तभी उन्होंने संगठन विस्तार को हरी झंडी दे दी थी और माना जा रहा था कि उनकी वापसी के एक हफ्ते बाद ही सूची जारी कर दी जाएगी लेकिन एक महीने बाद भी सूची जारी नहीं हो पाई है। पायलट विस्तार में हो रही देरी पर भी सवाल कर सकते हैं।

संगठन विस्तार में सबसे बड़ा पेंच रायपुर समेत पांच जिलों के अध्यक्षों को लेकर फंसा हुआ है। जहां पर एक नाम तय नहीं किए जा सके हैं। रायपुर शहर के अलावा बिलासपुर शहर एवं ग्रामीण, राजनांदगांव शहर एवं ग्रामीण, खैरागढ़ और जशपुर जिले के अध्यक्ष के नाम पर भी सहमति नहीं बन पाई है। इन जिलों में पेंच फंसे होने के कारण पीसीसी की विस्तारित कार्यकारिणी भी घोषित नहीं की जा सकी है।

जिलाध्यक्षों और मोर्चा-प्रकोष्ठों के अध्यक्षों से भी करेंगे बात

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पायलट दोनों बड़ी बैठकों के बाद कांग्रेस के जिलाध्यक्षों और मोर्चा-प्रकोष्ठों के अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसमें वे पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर बात रखेंगे। इस दौरान कई जिलाध्यक्ष ऐसे हैं जिनके बदले जाने की भी चर्चा है। ऐसे में वो जिलाध्यक्ष पार्टी संगठन की रणनीतियों को कितना जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे, यह भी बड़ा सवाल है।

सदन के भीतर आक्रामक रहेंगे विधायक

पायलट सोमवार देर शाम को विधायकों की बैठक लेंगे। इसमें आगामी विधानसभा सत्र के दौरान उनके प्रदर्शन को लेकर बात होगी। विधायकों को सरकार की कमजोरियों को उजागर करने और आक्रामकता के साथ सवाल पूछने व चर्चा में शामिल होने की नसीहत दी जाएगी।

कांग्रेस का आरोप: पिछले साल 1000 करोड़ था, इस बार धान घोटाला और बढ़ेगा

भ्रष्टाचार में सोसायटी, नान और भाजपा नेता सबकी हिस्सेदारी

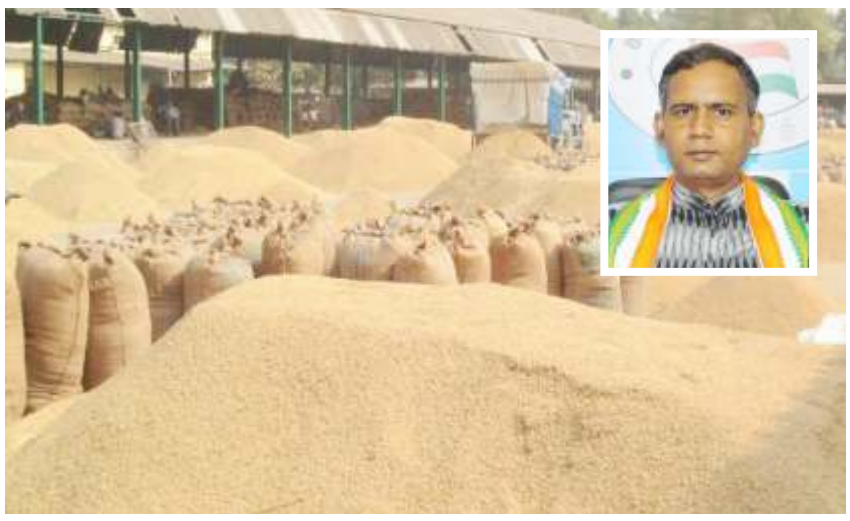

शहर सत्ता/रायपुर। खरीफ सीजन 2025 के धान संग्रहण केंद्रो से 84 हजार मीट्रिक टन की कमी को भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पिछले खरीफ सीजन में भी रखरखाव और परिवहन में गड़बड़ी करके 1000 करोड़ का धान घोटाला किया गया था, इस बार यह आंकड़ा और बढ़ेगा। इसी बदनीयती से भाजपा सरकार ने धान संग्रहण केंद्रों से 72 घंटों के भीतर उठाव का नियम बदला था, ताकि नुकसान बताकर धान गायब करवा सकें। छत्तीसगढ़ में 2038 प्राथमिक शाख समितियां कार्यरत हैं, जिसके अंतर्गत 2739 धान संग्रहण केंद्र संचालित है, इन सभी सहकारी सोसाइटियों में भ्रष्टाचार करने के लिए भाजपा की सरकार ने अपने ही नेता कार्यकर्ताओं को प्रभारी नियुक्त किया है। इन्हीं के आंकड़ों में विगत खरीफ़ सीजन में खरीदे गए धान में से 84 हजार मीट्रिक टन गायब हैं, स्पष्ट है कि भाजपा नेताओं के संरक्षण में ही धान चोरी हुआ। भाजपा सरकार आने के बाद से सहकारी सोसाइटियों को भाजपा नेताओं ने चारागाह बना दिया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता बोले सहकारी सोसाइटियों की आर्थिक स्थिति चरमरा रही है, हजारों करोड़ का आर्थिक नुकसान समितियों को हो रहा है। धान संग्रहण केंद्रों में धान खरीदी के दावे और वास्तविक स्टॉक में जमीन आसमान का अंतर है। रायपुर संभाग में 17048, बस्तर संभाग में 21629, बिलासपुर संभाग में 6512, दुर्ग संभाग में 28246 और सरगुजा संभाग में 9878 मैट्रिक टन धान कम पाए गए, जिसका साथ मतलब है कि सरकार के संरक्षण में पूरे प्रदेश में 84 हजार मैट्रिक टन से ज्यादा धान गायब कर दिया गया है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा के गृह जिले कवर्धा के पंडरिया के केवल तीन संग्रहण केंद्रों में की गई जांच में ही खरीदी के दावों से 3 करोड़ 36 लाख के धान कम पाए गए।

आंगनबाड़ी केंद्रों में घटिया सप्लाई

28 दिन बाद भी दोषियों पर कार्यवाही क्यों नहीं : धनंजय

जब भ्रष्टाचार में मंत्री से लेकर विभाग के बड़े अधिकारी शामिल है तब इसकी जांच कैसे हो

शहर सत्ता/ रायपुर। आंगनबाड़ी केंद्रों में 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान सप्लाई मामले में कार्यवाही नहीं होने पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों में 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान सप्लाई मामले के लिए जांच कमेटी बनाकर 15 दिन में रिपोर्ट मांगी थी और आज 28 दिन बाद भी घटिया सामान सप्लाई करने वाले सप्लायरों और घटिया सामान की खरीदी करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई? क्या जांच दल घटिया सामान खरीदी और सप्लाई करने वालों को बचाने के लिए बनाया गया था?

आंगनबाड़ी केंद्रो में जिस प्रकार से निम्न स्तर की आवश्यक सामग्री सप्लाई की गई है, यह मंत्री के संरक्षण के बिना संभव नहीं है और मंत्री पद पर लक्ष्मी राजवाड़े के रहते इसकी निष्पक्ष जांच मुश्किल है। 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान सप्लाई की जांच किसी अन्य जांच एजेंसी से कराया जाए।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में घटिया सामान सप्लाई मामले की जांच कमेटी बनाई गई थी, इस पर सवाल उठा था कि जो अधिकारी सामानों के खरीदी के लिए जिम्मेदार हैं, वे खुद ही अपने ही खिलाफ कैसे जांच करेंगे? और जब भ्रष्टाचार में मंत्री से लेकर विभाग के बड़े अधिकारी शामिल है तब इसकी जांच कैसे हो पाएगी? कांग्रेस पार्टी मांग करती है 40 करोड़ रुपए की घटिया सामान खरीदी की जांच अन्य जांच एजेंसी से कराया जाए। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से इस्तीफा लिया जाये, सामग्री सप्लाई करने वालो को ब्लैक लिस्टेड किया जाये और सामान खरीदी करने वाले अधिकारियों के ऊपर भी कड़ी कार्यवाही की जाये।

योग पर भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच जुबानी जंग

शहर सत्ता/रायपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर एक ओर जहां देशभर में योग के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया, वहीं छत्तीसगढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग शुरू हो गया। रायपुर दक्षिण के भाजपा विधायक सुनील सोनी ने कहा कि यह किसी पार्टी का योग नहीं है। अगर आपको शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना है, तो योग करना चाहिए। वैसे तो योग सभी को करना चाहिए, लेकिन कांग्रेस को विशेष रूप से योग करना चाहिए। खासकर उनके बड़े नेताओं को। अगर वे ध्यान और योग करेंगे तो उनका मानसिक संतुलन बना रहेगा और वे देश के उत्थान की बात करेंगे। दूसरी तरफ, कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने पलटवार करते हुए कहा कि योग सभी के लिए लाभदायक है। नियमित योग से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनता है। लेकिन भाजपा नेताओं को इसकी ज्यादा जरूरत है, क्योंकि उनमें मानसिक विचलन और सत्ता का गुरुर सवार है।

उर्वरकों, खाद, बीज के लिए कांग्रेस का 5 दिवसीय व्यापक आंदोलन

25 जून से 30 जून तक सोसायटी दफ्तरों में होगा प्रदर्शन

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का कहना है कि खाद, बीज, उर्वरक विशेषकर डी.ए.पी. और एनपीके की कमी पूरे प्रदेश में संकट है, सरकार ध्यान नहीं दे रही। सरकार जमीनी हकीकत से मुंह मोड़ रही है, न समय पर खाद की रेक की व्यवस्था कर पाये, न सोसायटियों में भण्डारण की व्यवस्था हुई, खरीफ की बोनी का समय आ चुका है, किसानों को न खाद मिल रहा है, न बीज। किसान परेशान है। किसानों की परेशानी को देखते हुए कांग्रेस प्रदेश की सभी सोसायटियों में उर्वरकों और बीज की मांग को लेकर प्रदर्शन करेगी। यह प्रदेश में 25 से 30 जून तक चलेगा। उसके बाद भी स्थिति नहीं सुधरेगी तो कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन करेंगे।

कमीशनखोरी के लिए चरण पादुका बांट रही

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कमीशनखोरी के लिए चरण पादुका पहले भी रमन सरकार में बांट रहे थे तब किसी को एक पैर में 6 नंबर, एक पैर में 8 नंबर की चप्पल देते थे। केवल कमीशनखोरी के लालच में गुणवत्ताहीन जूता-चप्पल खपाने का षड़यंत्र रचा गया है। हमने नगद देना शुरू किया था, भाजपा की सरकार आने के बाद जनता की गाढ़ी कमाई कमीशनखोरी की भेट चढ़ाना फिर से शुरू कर दिया है। तेंदूपत्ता संग्रहण की मात्रा कम कर दी गयी, संग्राहको का बीमा योजना दुर्भावनापूर्वक बंद कर दिये, बोनस का पैसा बकाया है लेकिन जनता की गाढ़ी कमाई का 40 करोड़ कमीशनखोरी के लालच में चरण पादुका के नाम पर फूंका जा रहा है। वनोपज संग्राहकों को उनके हक और अधिकार का पैसा चाहिए। गुणवत्ताहीन जूते-चप्पल उनके किसी काम का नहीं।

प्रदेश में सरकार के संरक्षण में रेत माफिया हावी है

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि समोदा, आरंग, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, कुरूद, राजनांदगांव सहित प्रदेश में रेत माफिया का आतंक दिनों दिन बढ़ते जा रहा, गोली मार रहे, खनिज विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को रेत तस्कर के गुर्गे दौड़ा कर मार रहे है, शिकायत करने वालों को खंभे से बांधकर पीट रहे, पुलिस आरक्षक को ट्रैक्टर से कुचल कर मार रहे, पत्रकारों को पीट रहे, अब तो धमतरी में उत्खन्न रोकने गई सरकारी जेसीबी के ड्राईवर को चाकू मार दिया गया। बिना सरकार के संरक्षण के पूरे प्रदेश में इस प्रकार की घटनाएं नहीं घट सकती है। शासन में बैठे सत्तारूढ़ दल के नेता खनन माफिया को संरक्षण दे रहे है।

जीवन में आई नई उमंग, जब मिला पीएम आवास

अपने सपनों के घर को नृत्य कला चित्र जनजाति कलाकृतियां वाद्य यंत्र से सजाया

शहर सत्ता/रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जब श्रीमती सहोद्रा बाई धनवार को अपने घर की चाबी मिली, तो यह महज चाबी नहीं थी यह उनके आत्मसम्मान और सुरक्षित भविष्य की शुरुआत थी। जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत पुछेली खपरीडीह में धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के दौरान जब श्रीमती सहोद्रा बाई धनवार को मंच से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत निर्मित पक्के घर की चाबी सौंपी गई, तो उनके चेहरे की मुस्कान देखते ही बनती थी। उन्होंने मुस्कराते हुए सहजता से कहा, "चाबी तो दे दी आपने, लेकिन ताला नहीं दिया।"उनकी यह मासूम बात सुनकर पूरा वातावरण मुस्कान और भावनाओं से भर गया। यह क्षण न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे गाँव के लिए गर्व और खुशी का था। श्रीमती सहोद्रा बाई ग्राम पंचायत खपरीडीह के जीवन में भी प्रधानमंत्री आवास योजना ने खुशियाँ भर दी हैं। पाँच वर्ष पहले उनके पति का निधन हो गया था। उनकी तीन बेटियां और चार बच्चे है। जिनकी शादी हो चुकी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान के साथ-साथ उज्ज्वला योजना, महतारी वंदन, पेंशन योजना और मनरेगा से 90 दिन की मजदूरी जैसे योजनाओं का लाभ पाकर उनका जीवन सशक्त और आत्मनिर्भर बन गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बने उनके नए घर में उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला, वाद्य यंत्र, पारंपरिक नृत्य, और अन्य पारंपरिक लोककला से जुड़ी चित्रकारी को घर की दीवारों पर उकेरकर एक जीवंत संस्कृति का प्रतीक बना दिया है। उनका यह प्रयास न केवल कलात्मक है, बल्कि अब वह अन्य ग्रामीणों के लिए भी प्रेरणा बन चुकी हैं। उनके घर की सजावट पूरे जनपद पंचायत में चर्चा का विषय है और जनजातीय पहचान की झलक को दिखा रहा है। श्रीमती सहोद्रा बाई ने अपने घर के सामने एक पेड़ मां के नाम आम के पौधा लगाया है। वहीं उन्होंने जल सरंक्षण को बढ़ावा देने के लिए अपने घर में सोखता गड्ढा का भी निर्माण किया है। आवास योजना को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

महंत आशीष दास की अपील को रायपुर संभागायुक्त ने खारिज किया

शहर सत्ता/रायपुर। संभागायुक्त महादेव कावरे द्वारा ग्राम धरमपुरा स्थित मठ/ मंदिर की 55 एकड़ भूमि के संबंध में महंत आशीष दास की अपील खारिज किया जिसमे तहसीलदार रायपुर द्वारा भूमि को सरवराकर महंत आशीष दास को देने का आदेश दिया था । तहसीलदार के आदेश को एसडीएम ने निरस्त कर दिया था और इसकी अपील संभागायुक्त को की गई थी । *इसमें तहसीलदार ने मुख्य रूप से वसीयत के आधार पर नामांतरण किया गया था, लेकिन भूमि में प्रबंधक कलेक्टर होने के बावजूद तहसीलदार ने महंत आशीष दास के पक्ष में आदेश पारित किया था जो अब निरस्त रहेगा। संभागायुक्त ने माननीय उच्चतम न्यायालय के न्याय दृष्टांत जितेंद्र सिंह विरुद्ध स्टेट आफ़ एमपी एंड आदर्श 2022 का उल्लेख किया कि वसीयत के विवाद के मामले में माननीय सिविल न्यायालय में जाकर अपना पक्ष सिद्ध करने पर नामांतरण किया जाएगा । इस मामले में महंत आशीष दास द्वारा सिविल में प्रकरण नहीं प्रस्तुत किया गया है ।

"एक राष्ट्र एक राशन कार्ड" 30 जून तक ई-केवायसी अनिवार्य

शहर सत्ता/रायपुर। भारत सरकार, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के निर्देशानुसार "एक राष्ट्र एक राशनकार्ड" (One Nation One Ration Card) योजना के अंतर्गत जिले में सभी लाभार्थियों को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न वितरण किया जाना अनिवार्य किया गया है। खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के अंतर्गत वर्तमान में कुल 6,45,681 राशनकार्ड प्रचलित हैं, जिनमें 22,31,425 सदस्य पंजीकृत हैं। इनमें से अब तक 18,78,701 सदस्यों का ई-केवायसी पूर्ण हो चुका है, जबकि 3,52,724 सदस्यों का ई-केवायसी बाकी है। सभी उचित मूल्य दुकानों में ई-पॉस मशीन के माध्यम से ई-केवायसी की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों ने अब तक ई-केवायसी नहीं कराया है, उनसे अनुरोध है कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने हेतु 30 जून 2025 तक अनिवार्य रूप से अपने नजदीकी ई-केवायसी पूर्ण करलें।

संभागायुक्त महादेव कांवरे ने ली कृषि विभाग की समीक्षा बैठक

शहर सत्ता/रायपुर। संभागायुक्त महादेव कांवरे ने आज कृषि विभाग की समीक्षा बैठक ली। इसमें सभी ज़िलों में बीज एवं खाद्य के भंडारण वितरण की जानकारी ली गई। श्री कांवरे ने डीएपी की कमी को देखते हुए सहकारी समितियों में एनपीके और सुपर फास्फेट खाद को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सरकारी समितियों में किसानों को इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि समितियों में पोस्टर लगाए गए हैं और खाद का भंडारण पर्याप्त मात्रा में है, यूरिया की भी कहीं कोई कमी नहीं हैं। बैठक में ऋण वितरण की भी समीक्षा की गई। इस दौरान महासमुंद ज़िले में ऋण देने का दर कम होने पर सहकारी बैंक को बढ़ाने के निर्देशित किया गया। बैठक में बताया गया कि रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी ज़िलों में ऋण वितरण की स्थिति अच्छी है। संभागायुक्त श्री कांवरे ने अधिकारियों को निर्देशित किया की संभाग के किसानों किसी प्रकार की तकलीफ ना हो। अधिकारियों ने बताया कि रायपुर संभाग में खाद की कुल भंडारण संख्या 1 लाख 30 हजार 352 टन का हुआ है, जिसमें से 1 अप्रैल 2025 तक 89 हजार 537 टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है।

सुदूर बीजापुर के गुंजेपर्ती में अब हर घर स्वच्छ पेय जल

- **जल जीवन मिशन ने बदली तस्वीर, पेयजल के लिए हैंडपंप और नदी पर निर्भरता खत्म की**

शहर सत्ता/रायपुर। जल जीवन मिशन दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में भी पेयजल व्यवस्था की तस्वीर बदल रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की नियद नेल्ला नार योजना और भारत सरकार के जल जीवन मिशन से घने जंगलों के बीच बसा बीजापुर जिले के उसूर विकासखण्ड का गुंजेपर्ती अब जल समृद्ध गांव बन गया है। ग्राम पंचायत गलगम के करीब 80 घरों वाले इस आश्रित गांव में जल जीवन मिशन ने पेयजल के लिए हैंडपंपों और नदी पर निर्भरता खत्म कर दी है। वहां के सभी घरों में पाइपलाइनों के जरिए नल से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है। जल जीवन मिशन न केवल ग्रामीणों की प्यास बुझा रहा है, बल्कि कई परिवार अतिरिक्त जल का सदुपपयोग कर अपने घरों में सब्जी-भाजी भी उगा रहे हैं।

अतिरिक्त जल और उपयोग किए हुए जल के प्रबंधन से गांव साफ-सुथरा हुआ है और गांववालों का स्वास्थ्य भी सुधरा है। इससे जल के उपयोग के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता भी बढ़ी है। जल जीवन मिशन के तहत गुंजेपर्ती में पेयजल की आपूर्ति के लिए 21 लाख रुपए से अधिक की लागत से 3262 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। वहां सौर ऊर्जा से संचालित तीन जल आपूर्ति सिस्टम भी स्थापित किए गए हैं। पहले यहां के लोग पानी की सभी जरूरतों के लिए हैण्डपंपों और नदी पर ही निर्भर थे। पानी की व्यवस्था के लिए महिलाओं को रोज घर से दूर हैंडपंप या नदी तक जाना पड़ता था। इसमें प्रतिदिन उनका बहुत सा समय यूं ही निकल जाता था।

जिला पंचायत रायपुर की नई पहल 20 गाँवो को मिलेगा लाभ, 4 क्लस्टरों में 1200 परिवारों को बनाई जाएंगी लखपति दीदी

आरंग विकासखंड में MKSP योजना में 1400 हितग्राहियों का चयन

शहर सत्ता/रायपुर। जिला पंचायत रायपुर के मार्गदर्शन में महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (M K S P) के तहत आरंग विकासखंड के 20 गांवो में एकीकृत विकास की अभिनव पहल की गयी है। इस योजना के तहत 4 क्लस्टरों में 250–300 परिवारों को दो या अधिक आजीविका गतिविधियों से जोड़कर "लखपति दीदी" बनाया जाएगा।

अभी तक विकासखण्ड मे 1400 हितग्राहियों का चयन, ग्राम मे कार्यरत कैडर सीआरपी द्वारा किया जा चुका है। कृषि संबंधी सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन प्रत्येक क्लस्टरों मे स्थापित आजीविका सेवा केन्द्र के द्वारा किया जायेगा जिसका संचालन एक सफल उद्यमी दीदी करेगी। चयनित उद्यमी को परियोजना से ब्याज रहित ऋण की पात्रता है। क्लस्टर में स्थापित आजीविका सेवा केन्द्र से हितग्राहियों को निम्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है :- पोल्ट्री, पशुपालन, किचन गार्डन, मछली पालन, नर्सरी, बायो रिसोर्स सेंटर, पशु स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि इनपुट सहयोग एवं FPC के माध्यम से बाज़ार उपलब्धता शामिल है।

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

ऑलराउंडर टैलेंट, सिंगर से हीरो की एंट्री

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ी म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी मधुर आवाज़ और मेहनत से पहचान बनाने वाले सिंगर व एक्टर अनुराग शर्मा का सफर प्रेरणादायक रहा है। कक्षा 8वीं से ही संगीत की शिक्षा प्रारंभ करने वाले अनुराग ने कॉलेज के दिनों से ही हिंदी ऑर्केस्ट्रा में गाना शुरू कर दिया था। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ी एल्बम्स में कोरस, डमी और फाइनल वॉइस देना शुरू किया।

अब तक वे 1500 से ज़्यादा गानों में अपनी आवाज़ दे चुके हैं। हालांकि, किसी नेशनल सिंगिंग कॉम्पीटिशन में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया। उनके अनुसार, बॉलीवुड और छोलवुड (छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री) के बीच सबसे बड़ा फर्क ऑडियंस की पसंद का है। "यहाँ की ऑडियंस को म्यूजिक में ज़्यादा बदलाव पसंद नहीं आता। दूसरा कारण बजट और रिकवरी है। रिकवरी कम होने की वजह से गानों पर खर्च सीमित होता है, जिससे ऑडियो और रिकॉर्डिंग क्वालिटी पर असर पड़ता है। अनुराग कहते हैं। फिर भी वे मानते हैं कि छॉलीवुड में कर्णप्रिय गीत बनते हैं, जिनमें दर्शकों का भरपूर प्यार मिलता है। अच्छे स्टूडियो मौजूद हैं, पर बजट सीमित होने के कारण तकनीकी गुणवत्ता में उतनी पकड़ नहीं बन पाती। बतौर एक्टर उन्होंने अपने करियर की शुरुआत वीडियो सॉन्ग 'जान लेबे का' से की थी। फिलहाल वे एक छत्तीसगढ़ी फिल्म 'बली' में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि जैसे गायन से लोगों का दिल जीता है, वैसे ही अभिनय में भी उन्हें सराहना मिले। अनुराग कहते हैं, जो भी काम प्रोफेशनली करना चाहते हैं, पहले उस कला को वक्त दें, सीखें। सोशल मीडिया को एक टूल की तरह इस्तेमाल करें, लेकिन उसे इतना महत्व न दें कि वो आपके जीवन को प्रभावित करे।

संघर्ष और सुरों की साधना का सफर

छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत की दुनिया में सुरीले सुरों से अमिट छाप छोड़ने वाले सुनील सोनी न केवल एक सशक्त गायक हैं, बल्कि एक समर्पित संगीतकार भी हैं। उनकी कला यात्रा की शुरुआत सन् 1983 में पिताजी के साथ मंचीय प्रस्तुति से हुई। पंडित जागेश्वर प्रसाद देवांगन के मार्गदर्शन में उन्होंने विधिवत शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ली। उनकी पहली प्रस्तुति बालमंदिर स्कूल में हुई थी, जहाँ से संगीत का यह सफर कभी नहीं थमा। गरीबी और संघर्ष से भरे पारिवारिक जीवन में उनके पिता फुटपाथ पर मेला-ठेला में खिलौने व कपड़े बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। ऐसे माहौल में सुनील सोनी ने माता-पिता के आशीर्वाद और गुरुओं के सानिध्य में अपनी कला को सींचा और निखारा।

आज उनके 3000 से अधिक गीतों की रिकॉर्डिंग हो चुकी है, और 50 से अधिक छत्तीसगढ़ी फिल्मों में उन्होंने संगीत व गायन का योगदान दिया है। गांवों के दूरदराज अंचलों में मंचीय प्रस्तुतियों, नाटक और लोकनाट्य के जरिए उन्होंने लोक संस्कृति को जीवंत बनाए रखा। महान गायिका तीजन बाई एवं 2005 में महान गायिका लता मंगेशकर जी का आशीर्वाद मिला है जिसे अपनी मां सरस्वती मानता हूं लता मंगेशकर जी मेरे लिए ईश्वर हैं। राष्ट्रीय स्तर पर शिमला, गुड़गांव, हैदराबाद, कटक, विशाखापट्टनम और भिलाई जैसे शहरों में आयोजित प्रतियोगिताओं में उन्होंने छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया।

पिता से विरासत स्वर से पहचान

शहर सत्ता/फ़िल्मी डेस्क। बोरिया खुर्द से निकली दो सुरमयी आवाज़ें दीपिका धनगर और दीक्षा धनगर आज छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत की पहचान बन चुकी हैं। बचपन से ही संगीत मय वातावरण में पली-बढ़ीं इन बहनों के पहले प्रेरणास्रोत उनके पिता श्री गोविंद धनगर रहे हैं, जो स्वयं लोकगायन और रामायण गायन में पारंगत हैं। अब तक दोनों बहनों की 70 से अधिक छत्तीसगढ़ी गीतों की रिकॉर्डिंग हो चुकी है, जिनमें "मया के मारे" और "तोर बोली म मंदरस झरथे" जैसे गीतों ने श्रोताओं के दिलों में खास जगह बनाई। भले ही कुछ गीत व्यापक स्तर पर न पहुंचे हों, पर वे अपनी मिट्टी से जुड़ाव और संस्कृति की खुशबू बिखेरते हैं,जैसे "जय हो छत्तीसगढ़ महतारी", "तरी हरी नाना", "रिमझिम पानी के बूंद", "पितर पाख" और "मया के सगरी"। दीपिका और दीक्षा मानती हैं कि हर कलाकार के जीवन में चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन संगीत साधना को निरंतरता देना ही सच्ची लगन का प्रतीक है। लता मंगेशकर, आशा भोसले से लेकर कविता कृष्णमूर्ति, सोनू निगम, श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह तक, इनकी गायकी से वे बेहद प्रेरित हैं। इनकी कुछ चर्चित प्रस्तुतियाँ हैं"सन्हा के बेरा", "प्रियदर्शनी", "झूम ये तन", "मोर बिंदिया बोले", "तन मन म" (दीक्षा), "रातरानी", "मृगनैनी" और "तोर दूं नैना म" (दीपिका)। स्टेज परफॉर्मेंस की ऊर्जा और स्टूडियो की गहराई—दोनों में ये बहनें अपनी कला को पूरी तरह समर्पित करती हैं।

एक्टिंग है जूनून, निर्देशन है मिशन

शहर सत्ता/फिल्म डेस्क। बचपन से ही फिल्मी दुनिया से जुड़ाव रखने वाली एक उभरती कलाकार और उनके निर्देशक पति की यह जोड़ी छत्तीसगढ़ी इंडस्ट्री में नई मिसाल बनती जा रही है। फिल्मी जुनून उनके जीवन में ऐसे रचा-बसा है कि अब यह सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक साझा सपना बन गया है।

रंगमंच से शुरुआत, कैमरे तक का सफर

उनका फिल्मी लगाव तब शुरू हुआ जब उनके घर में एक्ट्रेस चांदनी पारेख और मेकअप मैन बलदेव सिंह किराए पर रहते थे। उनके संपर्क में आने से छत्तीसगढ़ी इंडस्ट्री के कई सितारों का आना-जाना शुरू हुआ। तभी यह सपना पनपा कि एक दिन खुद कैमरे के सामने खड़ा होना है। बचपन में कई फिल्मों में चाइल्ड आर्टिस्ट बनने के प्रस्ताव आए, पर स्वभाव से 'moody' होने के कारण उन्होंने इनकार कर दिया। लेकिन 14 की उम्र में मिर्जा मसूद से थिएटर की बारीकियां सीखीं, जिससे एक्टिंग में निखार आया। फिर 'तेजस्विनी' जैसे दूरदर्शन के धारावाहिक और ओड़िया फिल्म "The End" में लीड एक्ट्रेस बन अभिनय को नया आयाम मिला। दिलचस्प बात यह कि इस शूट में उनके पति विवेक दीक्षित भी साथ थे जो उस समय निर्देशक नहीं थे, लेकिन उनका झुकाव तभी से एक्टिंग और डायरेक्शन की ओर होने लगा।

जब जीवनसाथी बना क्रिएटिव पार्टनर

वो कहती हैं "हमारे काम अलग-अलग थे। मैं इवेंट्स करती थी, डांस क्लासेस लेती थी, और वो शूट करते थे। दिनभर बाहर रहने के चलते एक-दूसरे के लिए वक्त निकालना मुश्किल हो गया था। इसलिए हमने साथ काम करने का निर्णय लिया,ताकि रिश्ते और करियर, दोनों को समय दे सकें।"

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025

छालीवुड भुला बॉलीवुड में सुखासन

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक की सभी नामचीन हस्तियां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 में 'सुखासन' मुद्रा में दिखीं। इसके उलट योग दिवस में योगासन से ज्यादा छालीवुड में 'जॉब आसन' के लिए ज्यादातर जूझते रहे। इक्का-दुक्का को छोड़कर जिनकी जेब भी भरी है और पेट भी.. वही कैमरा आसन करते तस्वीरें डालते रहे।

शहर सत्ता/फ़िल्मी डेस्क। हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस खास मौके पर बॉलीवुड सितारे भी अपने-अपने अंदाज में योग के प्रति अपना जुड़ाव साझा करते हैं। इस वर्ष भी कई नामी हस्तियों ने सोशल मीडिया के जरिए अपने योग अभ्यास की झलक दी और फैंस को स्वस्थ जीवन के लिए योग अपनाने की प्रेरणा दी। बॉलीवुड इंडस्ट्री की कई हस्तियों ने अपने योग दिवस समारोह की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। करीना कपूर, शिल्पा शेट्टी, राजकुमार राव से लेकर तमाम सेलेब्स ने योग दिवस मनाया।

अभिनेत्री करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'सुखासन' में बैठी हुई एक शांत तस्वीर साझा की और लिखा, "ये सिर्फ एक रूटीन नहीं है। आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं।" फिटनेस और योग की ब्रांड एंबेसडर बन चुकी शिल्पा शेट्टी ने इस मौके पर योगासन करते हुए एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, "जब हमारे पास कोई चीज़ केवल एक होती है, तो हमें उसकी कद्र करनी चाहिए। इस साल का थीम है — 'एक धरती, एक स्वास्थ्य'।

मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन बनाए रखना ही असली कुंजी है। स्वास्थ्य... इसे कमाओ, संभालो और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संरक्षित करो।" एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने भी योग दिवस पर खास तस्वीरें शेयर कीं। राजकुमार राव, अनुपम खेर, एक्ट्रेस नुसरत भरूचा, निमृत कौर, विद्युत जामवाल और कई अन्य सितारों ने भी योग दिवस पर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर योग के प्रति अपने लगाव को व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि कैसे योग उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है।

भोजपुरी फिल्म 'रूद्र-शक्ति' में साथ आए अक्षरा और विक्रांत

शहर सत्ता/फ़िल्मी डेस्क। भोजपुरी सिने जगत की खूबसूरत अदाकारा अक्षरा सिंह और जीआरपी स्टार विक्रांत सिंह राजपूत जल्द ही बड़े पर्दे पर साथ में नज़र आने वाले हैं। आज इसकी घोषणा कर दी गयी है. दोनों बिभूति एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने वाली नई फिल्म 'रूद्र-शक्ति' में साथ नज़र आयेंगे, जिसमें एक सशक्त कहानी और दमदार अभिनय का संगम देखने को मिलेगा। फिल्म 'रूद्र-शक्ति' को निशांत सी. शेखर निर्देशित कर रहे हैं, जिनका विज़न आधुनिक और पारंपरिक कथानक के समन्वय पर आधारित है। फिल्म का पहला पोस्टर आज जारी किया गया, जिसमें ईश्वरीय शक्ति, स्त्री सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश झलकता है। यह पोस्टर दर्शकों में गहरी उत्सुकता जगा रहा है।

'जन नायकन' का 51वें बर्थडे पर फर्स्ट लुक आउट

शहर सत्ता/फ़िल्मी डेस्क। सुपरस्टार थलापति विजय (Thalapathy Vijay) ने अपने 51वें जन्मदिन पर फैंस को दिया जबरदस्त तोहफा दिया है। विजय की मोस्ट अवेटेड 69वीं फिल्म 'जन नायकन' का फर्स्ट लुक आखिरकार आउट हो गया है। फिल्म का पहला टीजर वीडियो देखकर फैंस की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है। वीडियो में विजय पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं, जिसमें उनका दमदार स्वैग हर किसी का ध्यान खींच रहा है। एक्टर के जन्मदिन पर मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने फिल्म का थीम और टीजर वीडियो रिलीज किया है। इसका टाइटल है 'The First Roar'। यह वीडियो रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है।

'जन नायकन' में विजय का धाकड़ स्वैग

एच. विनोथ द्वारा निर्देशित इस फिल्म में थलपति विजय एक प्रभावशाली किरदार में नजर आ रहे हैं। टीज़र की शुरुआत एक शक्तिशाली लाइन से होती है। एक सच्चा नेता ताकत के लिए नहीं, लोगों के लिए उठता है।" यह संवाद विजय के किरदार को साफ तौर पर दर्शाता है — एक ऐसा नेता जो जन-सेवा और न्याय के लिए खड़ा होता है।

सुमित यादव/प्रमुख संवाददाता
मो. 7987832355

दान, समर्पण, स्नेह और त्याग की प्रतिमूर्ति माँ परमेश्वरी को शहरसत्ता की आदरांजलि

भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि बहू के कदमों में गां लक्ष्मी के कदमों की आहट होती है। अगर अकेले मां शब्द का वाचन किया जाता है तो उसी में शक्ति की प्रतीक दुर्गा, ज्ञान की देवी सरस्वती, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी और आतिथ्य की देवी अन्नपूर्णा का समावेश एकमात्र मां शब्द में ही हो जाता है। माता परमेश्वरी देवी इन्ही स्वरूपों का जीता जागता उदाहरण थी। वो जब बहू के रूप में सिधु परिवार में आई तो परिवार में समृद्धि की नई उडान शुरू की। इसके बाद मा के रूप में माता परमेश्वरी देवी ने संस्कारों की नई बेल रोपित की, जिसमें पूरा परिवार सम्माहित था। हमेशा आर्य समाज के सेवा कायों में अवाणी भूमिका निभाने वाली माता जी हर जरूरतमंद की सहायता को अपना परम कर्ताय समझती थी। उनका जीवन केवल सिंधु परिवार ही नहीं अपितु हर इंसान के लिए प्रेरणापुज है।

महान आर्यसमाजी परमेश्वरी देवी जी के समूचे व्यक्तित्व और कृतित्व को शब्दों में बांधना अत्यंत दुष्कर कार्य है। जिसकी महिमा का वर्णन वाणी भी नहीं कर सकती, ऐसे विराट व्यक्तित्व की धनी थीं माता परमेश्वरी देवी जी। माता परमेश्वरी देवी जी धर्म और संतत्व की ऐसी प्रतिमूर्ति थीं जिनका सानिध्य पाकर आर्य संतों को भी अपार आनंद की अनुभूति होती थी। अथाह भौतिक संपदा के बावजूद इनकी सरल जीवन शैली सबको आचर्य में डाल देती थी। अपने अनन्य समर्पण, त्याग और संस्कारों से सिंधु परिवार को आलोकित करने वाली परमेश्वरी देवी जी का जन्म 30 अप्रैल 1936 को हरियाणा के जींद जिले के जुलानी गोव में हुआ था। जुलानी गांव के चौधरी अमृत सिंह सहारण के घर जब इस कन्या ने जन्म लिया तो कोई नहीं जानता था कि यह कन्या भविष्य में न केवल अपने गांव का नाम बल्कि अपने कुल, परिवार और समाज के साथ साथ वैदिक संस्कृति को भी गौरवान्वित करने वाली होगी। इस कन्या के चेहरे पर ईश्वरीमनाभावी और देवियों जैसा तेज था। ईश्वरीय गुणों का आभास होते ही माता पिता ने प्रेम से अपनों कन्या का नामकरण ईश्वरी देवी के रूप में किया। कन्या के जन्म से पिता अमृत सिंह और माता भरपाई देवी का हृदय प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी जब मात्र 7 बरस की थीं तो नियति ने इनसे इनकी मां को छीन लिया। छोटी सी बच्ची के सिर से मां का साया उठ गया था। वे बचपन से ही निर्णय लेने में इतनी निपुण थीं कि परिवार के अतिरिक्त गांव में भी चर्चा होने लगी कि हरफूल जाट के कुनबे में बेटी के रूप में बेटे ने जन्म लिया है। किशोरावस्था में परमेश्वरी देवी अपने दादाजी की घोड़ी पर बैठकर खेतों की रखवाली करने जाती थी। परमेश्वरी देवी जी अपने सभी भाई बहनों में सबसे बड़ी थीं। इन्होंने अपने नौ भाइयों और तीन बहनों को बड़ी बहन के रूप में नहीं अपितु एक मां की तरह पाला पोसा। पिता अमृत सिंह अक्सर कहा करते थे कि हमारे नी बेटों में जो शक्ति नहीं है, वही शक्ति इस अकेली बेटी में देखने को मिलती है।

दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

गुरुकुलों को पोषित किया : डॉ. सुकामा

पद्मश्री आचार्य डॉ. जुकामा ने कहा कि चौ. मित्रसेन आर्य के जाने के बाद परमेश्वरी देवी ने आर्य परंपरा का संरक्षण किया और गुरुकुलों को पोषित किया। चौधरी साहब की तरह माता परमेश्वरी देवी ने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया। माता

आर्य परंपरा को आगे बढ़ाया : स्वामी प्रणवानंद

स्वामी प्रणवानंद ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी के कार्यों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। चौधरी साहब के जाने के बाद आर्य परंपरा को आगे बढ़ाने में माता परमेश्वरी देवी रहा बड़ा योगदान है जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

समाज की मजबूत स्तंभ थीं : स्वामी आर्यवेश

सार्वदिशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने माता परमेश्वरी देवी को याद करते हुए कहा कि वे आर्य समाज की मजबूत स्तंभ थी। सरल स्वभाव व सादगी की मूरत थी। सिंधु परिवार को हानि तो है ही बल्कि आर्य समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

सर्व समाज के लिए अपूरणीय क्षति : मिट्ठा

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद के विधायक कृष्ण मिट्ठा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कैप्टन अभिमन्यु की माता जी का जांना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने संस्कारों से समर्थ एक ऐसा परिवार तैयार किया जो आज राष्ट्र सेवा में समर्पित है।

माता जी ममता की प्रतिमूर्ति थीं: बेदी

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि एक मां के रूप में उन्होंने जो सत्कार व अनुशासन दिए वही आज कैप्टन अभिमन्यु की सोच और सेवा में दिखाई देता है। उनका जीवन प्रेरणादायक रहा है, हम उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देते है।

स्मृति सदैव जीवित रहेंगी : धनखड़

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी आध्यात्मिक और ऊंची व्यक्तित्व वाली महिला थी। उनका जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं समाज की भी क्षति है। उनकी स्मृति सदैव हमारे दिलों में जीवित रहेगी।

35 साल तक ससुर की आंखें बनीं परमेश्वरी

सौ वर्ष तक जीवित रहने वाले आपके ससुर चौधरी शीश राम जी को काला मोतिया था। जब चौ. शीशराम जी की आंखों की रोशनी धीरे-धीरे खत्म होने लगी तो पूरा परिवार घबरा गया था। इस खतरनाक बीमारी के कारण अंत में उनकी आंखों की रोशनी पूरी तरह चली गई। उन्होंने अपने ससुर की जो सेवा की वह मिसाल बन गई। चौधरी शीशराम जी बिना किसी भय के 35 वर्ष तक नेत्रहीन का जीवन जिए क्योंकि माता परमेश्वरी देवी उनकी आंखों की रोशनी बन चुकी थीं।

अपने तीन पुत्रों को सेना में अधिकारी बनाया

परमेश्वरी देवी जी वे अपनी सभी संतानों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति के संस्कारों से पोषित किया। अपने छह पुत्रों में से तीन पुत्रों को भारत माता की सेवा करने के लिए सेना में भेजा। एक ही परिवार से तीन पुत्र का सेना में जाना बहुत बड़ी बात है। इनके एक पुत्र कैप्टन तथा एक पुत्र मेजर जैसे सम्मानीय पदों को सुशोभित कर चुके हैं। आपके सबसे बड़े पुत्र कैप्टन रूद्रसेन जी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी है और सेना में कैप्टन रह चुके हैं। कैप्टन अभिमन्यु जी ने भी भारतीय सेना में 5 वर्ष तक भारत माता की सेवा की। सबसे कम उम्र में सेना में कमीशन प्राप्त किया और कैप्टन का गौरवशाली पद प्राप्त किया। परमेश्वरी देवी जी के तीसरे पुत्र मेजर सत्यपाल आर्य जी 12 वर्ष तक भारतीय सेना मं रहे और देश की सेवा करते हुए मेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

8 मार्च 1949 : परमेश्वरी देवी और चौधरी मित्र सेन विवाह के सूत्र में बंधे

युवावस्था की ओर कदम बढ़ाने वाली परमेश्वरी देवी जी के गुणों की ख्याति आस पास के गांवों में फैलने लगी। आर्य जगत के महान पथिक चौधरी शीशराम जी को जब परमेश्वरी देवी जी के गुणों के बारे में पता चला तो उन्होंने अपने यशस्वी पुत्र चौधरी मित्र सेन से इनका रिश्ता पक्का कर दिया। 8 मार्च 1949 को परमेश्वरी देवी जी और चौधरी मित्र सेन जी विवाह के सूत्र में बंध गए। परमेश्वरी देवी जी को कुलवधू के रूप में प्राप्त कर सास ससुर और समस्त सिंधु परिवार और उनका विशाल कुनबा प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी ने आदर्श बहू बनकर अपने सास-ससुर का हृदय जीत लिया। सर्वगुण संपन्न बहु पाकर सास श्रीमती जिओ देवी जी धन्य हो गई। श्रीमती जिओ देवी जी एक साध्वी की तरह परमात्मा की भक्ति में लीन रहती थीं। वे वैदिक जीवन के अनुसार अपना जीवन यापन करती थी। नई नवेली बहू ने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी सास के वैदिक धर्म को भी अपना लिया। धर्म परायण बहु और सास के मैत्री भाव को देखकर ससुर चौधरी शीशराम जी अक्सर कहा करते थे कि हमें बहु नहीं बल्कि बेटी मिली है।

86वीं वर्षगांठ पर पुत्र कैप्टन अभिमन्यु ने की थी पोस्ट

Captain Abhimanyu
10 May 2022 ·

आज माँ का भारतीय कैलेंडर के अनुसार जन्मदिन है। 86 वर्ष पूर्व जींद ज़िले के जुलानी गाँव में हमारी माँ परमेश्वरी देवी का जन्म हुआ था। छोटी उम्र में हमारी नानी जी के देहांत हो गया , इस कारण माँ का बचपन कभी अपने गाँव व कभी पानीपत ज़िले के सीख पाथरी गाँव में बीता। बचपन में माँ के नाना जी ने इन्हें घुड़ सवारी सिखायी , जिस कारण से आज भी माँ अपने फार्म पर घोड़े हमेशा पालती आयी हैं।
हम नौ भाई बहनों के अतिरिक्त माँ ने परिवार के कई बेटे बेटियों को अपनी औलाद की तरह पालन पोषण किया है। पूरे कुनबे की माँ का सम्मान इन्हें मिलता है। पिताजी के निधन के बाद भी माँ कभी कमजोर नहीं हुई और हमें पिताजी की कमी महसूस नहीं होने दी। एक बेहद अनुशासित जीवन शैली, प्रत्येक सामाजिक मर्यादा व व्यवहार का पालन माँ के सहज दिनचर्या का हिस्सा है। अत्यंत ममतामयी, करुणामूर्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति , सहज , सरल, सकारात्मक ऊर्जा का भण्डार, बाल हृदय ना जाने कितने रूप हैं माँ के! परिवार के सारे खेत ज़मीन की देखभाल अकेले स्वयं रोज़ाना सुबह से शाम तक किसानी में व्यस्त रहती हैं। गेहूं , चना , दालें, सब्ज़ियाँ, फल आदि की जैविक खेती करती हैं। हमेशा कर्मयोग की प्रेरणा देती हैं। हर सुबह डेढ़ घंटे प्राणायाम योगासन आदि करते हुए, अपने स्वयं चलने में समर्थ ना होते हुए भी , व्हील चेयर पर घूम कर सक्रिय रहती हैं।
माँ का आशीर्वाद हम सब पर सदा बना रहे।
माँ के जन्मदिन के अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना की इन्हें उत्तम स्वास्थ्य के साथ शतायु करे और माँ हमेशा खुश रहें।

मेरा-तेरा के फेर में 13वां...

विशेष संवाददाता/विकास यादव
मोबाईल नंबर 9425528000

करीब हफ्ते भर बाद राज्य के नए मुख्य सचिव के नाम का ऐलान होना है, लेकिन सरकार की ओर से इस बात का इशारा भी नहीं है कि नए मुख्य सचिव के रूप में किसकी ताजपोशी होगी। ब्यूरोक्रेसी कहती है कि यह इशारा तब होता जब सरकार को मालूम होता कि मुख्य सचिव कौन बनेगा? सरकार भी कंफ्यूज है! मसलन सरकार कहीं कोई नाम फाइनल कर दे और दिल्ली उस पर वीटो लगा दे, तब क्या ही किया जा सकता है? मध्य प्रदेश की तरह सूबे की सरकार फजीहत नहीं कराना चाहती। मध्य प्रदेश में राज्य सरकार कुछ और चाहती थी, दिल्ली ने कुछ और तय कर दिया। फिलहाल मुख्य सचिव बनने की उम्मीद में बैठे अफसरों की दिलों की धड़कन तेज है। कुछ अफसर सरकार के फैसलों पर खामोश नजर बनाए हुए हैं, तो कुछ अफसरों ने नीति निर्धारकों से मुलाकात का उपक्रम जारी रखा है। फिलहाल यह मालूम नहीं कि क्या होगा? कब होगा और कौन होगा ?

नए सीएस के नाम को लेकर पशोपेश में राज्य शासन

शास्त्रों और 13 के अंक गणित में उलझे सभी

दिल्ली की पसंद या सीएम बेबीज़ पर छिड़ी चर्चा

हड़बड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार नहीं चाहती फजीहत

अफसरों का नीति निर्धारकों से मेल-मिलाप का उपक्रम

शहर सत्ता/रायपुर। राज्य में अब तक 12 मुख्य सचिव हुए हैं। अमिताभ जैन छत्तीसगढ़ के 12वें मुख्य सचिव हैं और उन्होंने 30 नवंबर 2020 को पदभार संभाला था। उनके सेवानिवृत्ति की संभावित तिथि जुलाई 2025 है। 30 जून को सीएस अमिताभ जैन सेवानिवृत्त हो रहे हैं और 13 वां मुख्य सचिव बनाया जाना है। कहते हैं कि देश की ब्यूरोक्रेसी पश्चिम की देन है। इसलिए भी पश्चिम में 13 नंबर शुभ नहीं माना जाता। नंबरों की भी अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा होती है। 12 वां नंबर शुभ माना जाता है। शायद इसलिए ही अमिताभ जैन मुख्य सचिव के रूप में रिकार्ड पारी खेल कर जा रहे हैं। वह राज्य के 12 वें मुख्य सचिव हैं। सचिन तेंदुलकर की तरह ही उनका रिकॉर्ड तोड़ पाना मुश्किल ही है।

इन नामों की भविष्यवाणी और चर्चा भी

मौजूदा मुख्य सचिव अमिताभ जैन के विकल्प के रूप में रेणु पिल्ले, अमित अग्रवाल, सुब्रत साहू और मनोज पिंगुआ के नाम की चर्चा तेज है, लेकिन हर नाम समीकरणों के दायरे में है। किसी नाम के साथ कुछ समीकरण है, तो किसी नाम के साथ कुछ। सरकार दिल्ली से मिलने वाले संकेतों पर टकटकी लगाए बैठी है। उधर से किसी एक नाम पर इशारा होने भर की देरी है, इधर हरकत शुरू कर दी जाएगी।

सनातनी लोगों को गृह नक्षत्र का खौफ

सूबे की सत्ता भाजपा की है और भाजपा ग्रह-नक्षत्र, ज्योतिष-वास्तु,अंक गणित-टैरो कार्ड मानने वाली सनातनी लोगों की पार्टी है। सरकार के करीबी कहते हैं कि मुख्य सचिव का मसला कोई ब्यूरोक्रेटिक योग नहीं, बल्कि अंक ज्योतिषीय फेर में फंस गया है। सरकार ज्योतिषियों से चर्चा कर रही है। अगर मंगल वक्री हुआ तो 13 नंबर का मुख्य सचिव निर्णय नहीं ले पाएगा।

अफसरों को सेवानिवृत्ति की मेवावृति

छत्तीसगढ़ राज्य में चेहते, काबिल और पसंदीदा अफसरों की रिटायरमेंट के बाद भी खासी पूछ परख रही है। प्रशासनिक गलियारों में तो पूरवर्ती सरकारों में प्रशासनिक अधिकारीयों के लिए तंज कसा जाता था, कहते थे "सेवानिवृत्ति की मेवावृत्ति।" औसतन राज्य में 10 फीसदी से ज्यादा नौकरशाहों को रिटायरमेंट के पश्चात् भी मलाईदार विभागों, आयोगों और संस्थाओं में महती जिम्मेदारी मिली। कुछ को संविदा नियुक्ति से भी खूब नवाज़ा गया। लोक सेवा आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य सूचना आयोग, रेरा समेत कई जगह पदस्थ किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य के अब तक के कुल 12 मुख्य सचिव और उनका कार्यकाल

अरुण कुमार
30 अक्टूबर 2000 से 31 जनवरी 2003 तक

सुयोग्य कुमार मिश्रा
1 फरवरी 2003 से 20 जून 2004 तक

A. K. विजयवर्गीय
1 जुलाई 2004 से 7 नवंबर 2005 तक

R. P. बगाई
8 नवंबर 2005 से 31 जनवरी 2007 तक

शिवराज सिंह
1 फरवरी 2007 से 31 जुलाई 2008 तक

पी. जॉय उम्मेन
31 जुलाई 2008 से 7 फरवरी 2012 तक

सुनील कुमार
7 फरवरी 2012 से 28 फरवरी 2014 तक

विवेक ढांढ
28 फरवरी 2014 से 11 जनवरी 2018 तक

अजय सिंह
जनवरी 2018 में नियुक्त, कुछ ही समय बाद हटाए गए

सुनील कुजूर
2 जनवरी 2019 से 2019 (विशिष्ट तारीख की जानकारी नहीं)

आर. पी. मंडल
31 अक्टूबर 2019 से 30 नवंबर 2020 तक

अमिताभ जैन
वर्तमान (12वें) मुख्य सचिव – 30 नवंबर 2020 से अब तक निरंतर पद पर

काम दिखाने के लिए 1 साल का ही वक्त

सरकार के पास काम दिखाने के लिए एक साल का ही वक्त है, इसके बाद के साल से चुनावी तैयारियां शुरू हो जाएगी। अब सरकार भी पशोपेश में पड़ गई है। मुख्य सचिव की कोई कुर्सी न हो मानो कोई आफत हो गई हो। सरकार हर संभावित नाम की कुंडली देख रही है। किसी की कुंडली में शनि भारी है, तो किसी की कुंडली में राहु-केतु ने अड़ंगा लगा रखा है। फिलहाल तो यही लग रहा है कि जब तक ग्रह, गणित और गुट मिलकर कोई रास्ता नहीं निकाल लेते, तब तक 13वां मुख्य सचिव भी इंतज़ार करता रहेगा और सरकार कहती रहेगी कि हम जल्द ही निर्णय लेंगे। बस चंद्रमा का गोचर अनुकूल होने दीजिए।

25 बछर में 312 IAS, IPS और IFS रिटायर्ड

वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ पृथक राज्य बना तब आईएएस का कैडर 138, आईपीएस 59 और आईएफएस कैडर 115 अधिकारीयों का था। तीनों प्रशासनिक सेवाओं की स्ट्रेंथ कुल 312 थी। इन 25 वर्षों में जून 2025 तक की स्थिति में 117 आईएएस, 72 आईपीएस और 123 आईएफएस रिटायर्ड हो चुके हैं। दिसंबर 2025 तक 11 और अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे। आंकलन करें तो प्रदेश में राज्य गठन के वक्त अखिल भारतीय सेवा के अफसरों की जितनी स्ट्रेंथ थी उससे ज्यादा अफसर तो 25 साल में रिटायर्ड हो चुके हैं। शुक्र है कि तीनों ही कैडर संख्या में वृद्धि हो चुकी है और अब आईएएस का कैडर 202, आईपीएस कैडर 153 और आईएफएस की संख्या 131 पहुंच गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-4517255, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।